RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः202, बुधवार, 30 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

पाण्डेय सिस्टर्स की लोक प्रस्तुति से सजेगा चंपारण गौरव सम्मान समारोह 03

पूर्व विधायक मो.सरफुद्दीन अल्पसंख्यक संवाद कार्यक्रम में हुए भावुक 04

बिग बॉस 18 की एक्स कंटेस्टेंट एडिन रोज के समुद्र तट की तस्वीरें ने बढ़ा... 07

नीतीश मंत्रिमंडल की बैठक में पत्रकार पेंशन योजना में बदलाव की स्वीकृति सहित 41 प्रस्तावों पर लगी मुहर

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राजगीर खेल अकादमी के लिए 1100 (ग्यारह सौ) करोड़ रुपये की मंजूरी और पत्रकार पेंशन योजना में बदलाव को स्वीकृति सहित कुल 41 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई है।

नीतीश कुमार मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में सबसे बड़ी घोषणा पत्रकारों की पेंशन योजना को लेकर रही। मुख्यमंत्री द्वारा कुछ दिनों पहले ही पात्र पत्रकारो की पेंशन को 6000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये करने की घोषणा की गई थी, जिसे अब कैबिनेट ने औपचारिक मंजूरी दे दी है। सरकार की के इस फैसले से राज्य के वरिष्ठ पत्रकारों को बड़ी राहत मिलने वाली है। इसके साथ ही राजगीर में खेल अकादमी की स्थापना के लिए 1100 (ग्यारह सौ) करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की

गई है, जिससे राज्य के खेल क्षेत्र को नया आयाम मिलेगा। कैबिनेट की बैठक में पर्यटन विभाग की ओर से सीतामढ़ी जिला में पुनौरा धाम मंदिर के पास पर्यटकीय विकास एवं आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए 50.50 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने के लिए 120 करोड़ 58 लाख 67,175 रुपये की राशि को संशोधित करते हुए, 50 एकड़ भूमि अधिग्रहित के नामित राशि 165 करोड़ 57 लाख 16 हजार 104 रुपये किया गया। पटना से एम्स एनएच-98 से दीघा रेल सह सड़क पुल से अशोक राजपथ के अतिरिक्त कनेक्टिविटी के लिए 1,368 करोड़ 46 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। बिहार राज्य युवा आयोग में 6 नए पदों को भी स्वीकृति दी गई है, जो युवाओं की आवाज़ को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुंगेर के प्रसिद्ध सीताकुंड मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा दिया गया है। इसके अलावा छह डॉक्टरों को उनके कार्य से मुक्त कर दिया गया है, जो स्वास्थ्य विभाग में बदलाव की ओर इशारा करता है। बैठक में कन्या उद्योग योजना से जुड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम कदम है। बच्चों और माताओं के पोषण को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना को भी हरी झंडी मिली है, जिसके लिए 115 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। बिहार में गन्ना उद्योग ईंख सेवा और भर्ती नियमावली-2025 को स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि विभाग में प्रशासनिक सहयोग के लिए प्रखंड कृषि अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है। ग्रामीण कार्य विभाग प्रयोगशाला संवर्ग में भर्ती एवं सेवा शर्त नियमावली-2025 को मंजूरी दी गई है। छपरा जिले में फ्लाईओवर के निर्माण के लिए 696 करोड़ 26 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। सरकार ने प्राथमिक स्कूलों को बनाए जाने को लेकर 270 करोड रुपये की मंजूरी दी है। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों में इक्विपमेंट खरीदे जाएंगे, इससे लिए 115 करोड़ 90 हजार रुपये की मंजूरी दी गई है। बिहार राज्य निर्वाचन आयोग नियुक्ति प्रस्ताव को संशोधन के साथ मंजूरी मिली है। बिहार विधानमंडल के सदस्यों और न्यायिक सेवा के पदाधिकारी, राज्य सेवा के पदाधिकारी और आश्रितों को आयुष चिकित्सा पद्धति से कराई गई चिकित्सा के पैसे मिलेंगे। इन सबके अलावा दरभंगा जिला अन्तर्गत हनुमाननगर प्रखंड के मौजा गोढ़ौला, थाना संख्या-179, खाता संख्या-1203 विभिन्न खेसराओं की कुल प्रस्तावित रकबा-05 एकड़ भूमि केन्द्रीय विद्यालय-02, दरभंगा के भवन निर्माण के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, केंद्र सरकार को एक रूपये के टोकन मूल्य पर 30 वर्षों के लिए लीज नवीकरण विकल्प के साथ निःशुल्क बंदोबस्त किये जाने की स्वीकृति दी गयी है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना को पूरी छूट दी गयीः प्रधानमंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा के जवाब में मंगलवार को कहा कि सैन्य कार्रवाई के दौरान सशस्त्र बलों को खुली छूट दी गयी थी। उन्हें तय करने दिया गया कि कब, कहां और कैसे कार्रवाई करनी है। देश को उन पर गर्व है कि आतंकवादियों को सजा दी गयी और यह ऐसी सजा थी कि आतंकवादी सरगनाओं की आज भी रातों की नींद उड़ी हुई है। विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन लोगों को भारत का पक्ष नहीं दिखता, वह उन्हें आईना दिखाने आये हैं। उन्होंने कहा कि वह इस सदन के माध्यम से देश और दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने आये हैं। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में जो क्रूर आतंकी हमला हुआ, वह केवल निर्दोषों पर गोली चलाने की घटना नहीं थी, बल्कि भारत को हिंसा में झोंकने की सुनियोजित साजिश थी। धर्म पूछकर निर्दोष लोगों को मारा गया। यह क्रूरता की पराकाष्ठा थी। यह भारत में दंगे फैलाने का एक गहरा षड्यंत्र था, लेकिन वह देशवासियों का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने एकजुट होकर उस साजिश को नाकाम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान देश की जनता ने सरकार का साथ दिया और उनके समर्थन ने इस कार्रवाई को ऐतिहासिक बना दिया। उन्होंने कहा, "देश ने मुझे आशीर्वाद दिया, विश्वास दिया। मैं इस समर्थन के लिए जनता का आभार व्यक्त करता हूं, उनका अभिनंदन करता हूं।" उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारत के आत्म-सम्मान, संप्रभुता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक था। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमले के बाद उन्होंने दुनिया को एक स्पष्ट संदेश देने के लिए अंग्रेजी में भी बात कीः "हम आतंकवाद को मिट्टी में मिला देंगे।" उन्होंने कहा, "यह भारत के 'विजयोत्सव' का समय है। और यह विजय, आतंकवादियों के मुख्यालय को ध्वस्त करने की है।"

संक्षिप्त समाचार

हिंदू का मतलब दूसरे धर्म या समुदाय का विरोध या उन पर हमला करना नहीं

नई दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने केरल में एक कार्यक्रम में कट्टर हिंदू की परिभाषा को लेकर उठ रहे विवादों पर कहा कि कट्टर हिंदू का मतलब किसी अन्य धर्म या समुदाय का विरोध करना या उनपर हमला करना नहीं है। यह गलत धारणा है। सच्चा हिंदू वह है जो सभी को साथ लेकर चलता है और सभी धर्मों का सम्मान करता है।

'सोनालिका ट्रैक्टर' बनीं प्रमाणपत्र की आवेदिका, मोतिहारी में फर्जीवाड़े का नया मामला उजागर

पिता का नाम 'स्वराज ट्रैक्टर', मां 'कार देवी', फोटो में मोनालिसा!

बीएनएम@राकेश कुमार

मोतिहारी। बिहार की राजधानी पटना में 'डॉग बाबू' के नाम पर फर्जी प्रमाण पत्र बनने की घटना के बाद अब पूर्वी चंपारण के मोतिहारी से एक और अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक आवेदक ने निवास प्रमाण पत्र के लिए खुद को 'सोनालिका ट्रैक्टर' नाम से ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि उक्त आवेदन में भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा की तस्वीर अपलोड की गई है, जबकि पिता का नाम 'स्वराज ट्रैक्टर' और माता का नाम 'कार देवी' दर्ज किया गया है। यह पूरा आवेदन झूठे दस्तावेजों और पहचान की फर्जीवाड़ा की ओर इशारा करता है। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त फर्जी ऑनलाइन आवेदन को तत्काल रिजेक्ट कर दिया है। साथ ही आवेदक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने स्पष्ट

किया है कि सभी अंचलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि RTPS पोर्टल पर प्राप्त होने वाले संदिग्ध एवं फर्जी आवेदनों को चिन्हित कर तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह मामला आरटीपीएस प्रणाली की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, वहीं प्रशासन की तत्परता से एक बड़ा फर्जीवाड़ा समय रहते टल गया।

बस और ट्रक की भीषण भिड़ंत में 9 कांवडियों की मौत, 31 ज्यादा घायल

एजेंसी, देवघर

झारखंड के देवघर में बस और ट्रक की भिड़ंत में 9 कावंडियों की मौत हो गई। हंसडीहा मुख्य पथ पर मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया चौक के समीप श्रद्धालुओं से भरी बस और गैस सिलेंडर लोड ट्रक के बीच भीषण टक्कर में 5 श्रद्धालु सहित बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में 31 श्रद्धालु घायल भी हो गए हैं। मृतकों में बिहार के अलगअलग चार जिलों की महिलाएं और एक किशोर के अलावा मोहनपुर थाना क्षेत्र निवासी बस चालक शामिल है। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में

भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सबों को बेहतर इलाज के लिए देवघर एम्स रेफर कर दिया गया है। हादसे में घायल श्रद्धालुओं के अनुसार सभी श्रावणी मेले की तीसरी सोमवारी पर देवघर में बाबा वैद्यनाथ पर जलार्पण करने के बाद मंगलवार अल सुबह यात्री बस से बासुकीनाथ जा रहे थे। उसी दौरान रास्ते में अनियंत्रित ट्रक और बस में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने राहत-बचाव का काम शुरू किया। सदर एसडीओ रवि कुमार ने कहा, 'सुबह 4-5 बजे के बीच हमें सूचना मिली कि देवघर से बासुकीनाथ कांवड़ियों को ले जा रही 32 सीटर बस अनियंत्रित होकर एक ट्रक से टकरा गई, फिर असंतुलित होकर ईंटों से टकरा गई। हादसे में अब तक 6 कांवड़ियों की मौत हो चुकी है तो 31 से ज्यादा जख्मी हैं। घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी मृतक और जख्मी कांवड़िये बिहार के बेतिया और गया निवासी बताए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

गोली मारने के 3 साल पुराने मामले में 2 गिरफ्तार, पुलिस की गिरफ्त में एक लाइनर भी शामिल

पटना। पालीगंज अनुमंडल के खीरी मोड़ थाना इलाके में एक पुराने गोलीकांड मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल छह आरोपी पकड़े जा चुके हैं। 2022 में पालीगंज-भेहड़िया मार्ग पर प्रेम किशोर शर्मा नामक युवक को सड़क पर सरेआम गोली मारकर घायल कर दिया गया था। इस घटना के पीछे जमीनी विवाद बताया गया है। खीरीमोड़ थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि पीड़ित प्रेम किशोर शर्मा के बयान पर मामला दर्ज किया गया था। पहले चार आरोपियों को पकड़ा गया था, जिनमें से तीन को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। एक ने कोर्ट में सरेंडर किया था। इन

चारों आरोपियों से पूछताछ के बाद अन्य लोगों के नाम सामने आए। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जहानाबाद जिले के कुर्था थानाक्षेत्र निवासी त्रिलोकी शर्मा को गिरफ्तार किया है। पालीगंज अनुमंडल के पतौना गांव निवासी अशोक शर्मा को भी पकड़ा गया है, जो इस मामले में लाइनर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस ने इस घटना में उपयोग किए गए हथियार को पहले ही बरामद कर लिया था। अधिकारियों के अनुसार, इस गोलीकांड के पीछे जमीनी विवाद का मामला सामने आया है।

'जनता का प्रतिनिधि हूं फोन करना मेरा हक'

पटना। मनेर विधानसभा क्षेत्र में पंचायत सचिव संदीप भारती और विधायक भाई वीरेंद्र के बीच हुई कॉल की रिकॉर्डिंग की राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा हो रही है। कल भाई वीरेंद्र ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए स्पष्टीकरण देकर खेद भी जताया था। जब इस पूरे मामले पर दैनिक भास्कर ने भाई वीरेंद्र से बात की तो उन्होंने पंचायत सचिव पर गंभीर आरोप लगाए। भाई वीरेंद्र ने कहा कि हम कहीं भी दोषी नहीं है, पब्लिक के हम नुमाइंदे हैं। पब्लिक जहां रहेगी फोन करने के लिए हम करेंगे और हमने सही पैरवी किया। पंचायत सचिव ने मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए रिश्वत मांगा था।

7 दिन से ज्यादा हो गया, लेकिन वह मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनाया। कहा कि जब हम क्षेत्र में घूमते हैं तो पब्लिक ने अपनी परेशानी बताई तो हमने उन्हें फोन कर दिया। आगे राजद विधायक बोले कि हम जनप्रतिनिधि हैं सचिव हो या चपरासी हो हमको तो फोन करना ही है। हमने तरीके से कहा कि मैं भाई वीरेंद्र बोल रहा हूं। तो वह ऊंचे आवाज में बोला कि बोलिए। फिर हम कहें कि तुमको प्रोटोकॉल का ज्ञान नहीं है। भाई वीरेंद्र एमएलए बोल रहे हैं। फिर उसने दोहराया कि हां बोलिए। वह जैसे बात कर रहा था हम तो वैसे बात भी नहीं कर रहे थे। हमको पता भी नहीं था कि वह कौन है क्या है और ना ही हमने कोई जाति सूचक शब्द कही। सचिव द्वारा SC-ST थाना में भाई वीरेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने पर उन्होंने कहा कि हमने कहीं भी जाति सूचक शब्द नहीं बोला है। हम तो यह जानते भी नहीं थी कि वह किस जाति और बिरादरी का है। हमको बस काम से मतलब था और पता था कि वह पंचायत सचिव है।

पटना में पीके के खिलाफ थाने में आवेदन, प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी को कहा था सातवीं फेल

पटना। भाजपा नेता कृष्णा सिंह कल्लू ने सोमवार को पटना के गांधी मैदान थाना में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के खिलाफ आवेदन दिया है। कल्लू का आरोप है कि प्रशांत किशोर जानबूझकर भाजपा को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। इसके तहत वह कभी उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तो कभी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। कृष्णा सिंह कल्लू ने कहा कि एक कॉन्क्लेव में प्रशांत किशोर

द्वारा सम्राट चौधरी को 'सातवीं फेल' और उनके नाम को गलत बताना यह दर्शाता है कि वह निजी खुन्नस के चलते भाजपा नेताओं की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बयान न केवल भाजपा के वरिष्ठ नेता का अपमान है, बल्कि जनता की नजर में उन्हें बदनाम करने का कुप्रयास भी है।

पटना में स्टंट करने वाले 4 के खिलाफ केस दर्ज, 40 लोगों की हुई पहचान

पटना। पटना ट्रैफिक पुलिस ने स्पेशल ड्राइव के दौरान स्टंट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। 15 दिनों तक चले इस ड्राइव में स्टंट कर सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करने वाले 40 लोगों की पहचान की गई है। वे खुद और दूसरों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हैं। ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं। ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि 11 लोगों को अपनी बाइक के साथ हाजिर होने के आदेश दिए गए। इन लोगों के

खिलाफ 95000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसमें से 4 लोग ऐसे थे, जो लगातार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। स्टंट का वीडियो बार बार सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे थे। इन लोगों के खिलाफ गांधी मैदान ट्रैफिक थाने में FIR हुई है। इनके अलावा 4 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस, बाइक के रजिस्ट्रेशन को कैंसिल कराने के लिए डीटीओ के पास एक प्रस्ताव भेजा गया है। ट्रैफिक पुलिस सोशल मीडिया पर एक्टिव है। वैसे युवाओं के सोशल मीडिया प्रोफाइल की निगरानी की जा रही है, जो स्टंट करते हैं। उसका वीडियो बनाते हैं। लाइक -व्यूज पाने के लिए उस वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड कर देते हैं।

टूटे बिजली के तार की चपेट में आई महिला, मौत, चार बेटियों और एक बेटे का रो-रोकर बुरा हाल

हाजीपुर। वैशाली थाना क्षेत्र के छितहा धर्मपुर गांव में मंगलवार को बिजली के टूटे तार की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी मीणा देवी (35), पति प्रमोद कुमार सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और मृतका के चार बेटियां और एक बेटा बेसहारा हो गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मीणा देवी के भैसुर महेश सिंह ने बताया कि 'वो घर का सारा काम निपटाकर जैसे ही बाहर निकलीं, उसी वक्त वो बिजली के टूटे तार की चपेट में आ गईं। हमें कुछ समझ में आता, इससे पहले ही वह बेहोश होकर गिर गईं।' परिजन उन्हें तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, वैशाली लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली का तार काफी देर से टूटकर गिरा हुआ था, जिसकी जानकारी विभाग को दी गई थी लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं हुई। इसी लापरवाही की वजह से ये हादसा हुआ। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की है कि मृतका के परिवार को मुआवजा दिया जाए। दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। मीणा देवी के चार बेटियों और एक बेटे के सिर से मां का साया उठ गया। परिवार पूरी तरह टूट गया है। पड़ोसियों और रिश्तेदारों की भी आंखें नम हैं। खबर लिखे जाने तक बिजली विभाग की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया था। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के कारण आए दिन इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा।

पटना में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में भरा पानी

एजेंसी, पटना

दानापुर के स्कूल में 4 फीट तक पानी, पॉश इलाकों में वाटर लॉगिंग से लोग परेशान, कहा- सारा काम ठप

पटना में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया है। सड़कों, रेलवे ट्रैक और बाजारों में जलजमाव से आम लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है और कई जगहों पर दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया है। कंकड़बाग इलाके के भोजपुर कॉलोनी, चांगड़ समेत कई इलाकों के घरों में पानी घुसने की वजह मेट्रो निर्माण में बरती गई लापरवाही है। नगर निगम के कर्मियों का कहना है कि रामकृष्णा नगर मेट्रो स्टेशन निर्माण के दौरान जिस रास्ते से बरसात का पानी गुजरता था। उसे ही ब्लॉक कर दिया गया। इस वजह से पानी आगे नहीं बढ़ पाया। नतीजा कई घरो में पानी घुस गया। आम लोगों ने भी मेट्रो के निर्माण के दौरान बरती गई लापरवाही पर आक्रोश जाहिर किया। आम लोगों की शिकायत पर कंकड़बाग अंचल के मुख्य सफाई निरीक्षण, सफाई निरीक्षक ने मौके पर पहुंचकर पॉकलेन से नाला के ऊपर रखी गई मिट्टी को हटवाया। इसके बाद लोगों के घरों से पानी निकलने का सिलसिला शुरू हो गया।

इधर, पटना के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक डाकबंगला चौराहा भी 3 से 4 फीट तक पानी में डूब गया । एस. के. पूरी, कंकड़बाग, राजेंद्र नगर, और पटना सिटी के कई हिस्सों में जलभराव ने यातायात को भी प्रभावित किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घरों और दुकानों में पानी घुस गया है, जिससे सारा काम पूरी तरह ठप हो गया है। खासतौर पर खेतान मार्केट जैसे व्यवसायिक क्षेत्रों में कई दुकानों में पानी घुस जाने से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। पटना सिटी के कुछ इलाकों में तो हालात और भी गंभीर हैं, जहां निचले इलाकों में 3 से 4 फीट तक पानी भरा हुआ है।

मौसम विभाग का अलर्टः मौसम विभाग ने पटना समेत बिहार के 20 जिलों में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आज भी तेज बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटों तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। तेज हवा चलने की भी संभावना है, जिससे नुकसान की आशंका बनी हुई है।

प्रशासन अलर्ट मोड परः पटना नगर निगम और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। पंपिंग सेट लगाए गए हैं, लेकिन जलनिकास के लिए काफी मशक्कत करना पड़ रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें।

मेयर सीता साहू ने जेसीबी से साफ कराए नाले

पटना। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण पटना के कई इलाकों में जलजमाव हो गया है। इससे लोगों को घर से निकलने और जरूरी काम करने में काफी परेशानियां हो रही हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए पटना की मेयर सीता साहू ने मंगलवार को वार्ड सदस्यों और सशक्त समिति के सदस्यों के साथ पटना सिटी के कई वार्डों का निरीक्षण किया। नगर निगम के कर्मचारियों को जेसीबी मशीन और मानव बल के द्वारा बेगमपुर नाला छटंकी पुल के जाम को साफ करवाया। मेयर सीता साहू ने कहा कि बारिश के कारण कई जगहों पर नाले जाम हो गए थे। उन्होंने बताया कि इसमें लोगों की भी जिम्मेदारी है। लोग प्लास्टिक, पॉलीथिन और बोतलें नालों में फेंक देते हैं। इससे नाले जाम हो जाते हैं और बरसात में स्थिति विकराल हो जाती है। मेयर ने बताया कि बेगमपुर के एक नाले को पूरी तरह साफ कर दिया गया है। इससे वार्ड संख्या 62, 65, 66 और 67 में जल जमाव की समस्या लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अस्थाई समाधान के लिए एक संप हाउस बनाने की जरूरत है। इसका निर्माण जल्द ही कराया जाएगा ताकि लोगों को जल जमाव से पूरी तरह राहत मिल सके।

फुलवारीशरीफ थाने की बिल्डिंग से बारिश में टपक रहा पानी

एजेंसी, पटना

♦ दरार पड़ने से अफसरों में डर, फाइलें भी खराब हो रही

पटना के फुलवारी शरीफ थाना भवन की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गई है। लगातार बारिश के कारण थाना भवन की छत और दीवारों से पानी टपक रहा है। कई जगहों पर दीवारों में दरारें भी दिखाई दे रही हैं।थाना में कार्यरत पदाधिकारियों को सरिस्ता में बैठकर काम करने में डर लग रहा है।

वर्तमान में फुलवारी शरीफ थाना में लगभग 150 कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें पदाधिकारी, आरक्षी और मुंशी शामिल हैं।फुलवारी शरीफ थाने का निर्माण ब्रिटिश काल में हुआ था। उस समय यहां आजादी के आंदोलनकारियों की संख्या अधिक होती थी। आजादी के बाद से यह थाना अब तक पूर्ण रूप से कार्यरत है।

फाइलें भी गिली हो रहीः थाना परिसर में थाना अध्यक्ष के लिए एक कमरा, एक सरिस्ता, एक हाजत और आगंतुकों के लिए एक बड़ा हॉल है। यहां महिला-पुरुष पदाधिकारियों की संख्या 50-55 के बीच है, जबकि महिला-पुरुष आरक्षियों की संख्या 25-30 बताई गई है। पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण थाना परिसर की दीवारों से कई जगह पानी टपक रहा है। इससे थाने के महत्वपूर्ण कागजात, फाइलें और कंप्यूटर भी गीले हो गए हैं।

'डॉग बाबू' फर्जी प्रमाण पत्र मामले में आईटी सहायक बर्खास्त, 3 पर एफआईआर दर्ज

एजेंसी, पटना

पटना जिले के मसौढ़ी अंचल में "डॉग बाबू" के नाम से जारी निवास प्रमाण-पत्र मामले की गंभीरता से जांच की। डीएम डॉ. त्यागराजन मंगलवार को खुद मौके पर पहुंचे। उनके साथ नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) भी मौजूद थे। डीएम ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह कार्य अनजाने में नहीं, बल्कि सोच-समझकर किया गया है। गलत साक्ष्य के आधार पर प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन दिया गया था। यह एक बुरी प्रयास है, जिससे राज्य सरकार और जिला प्रशासन की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है। इस मामले में दोषियों पर कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आईटी सहायक को नौकरी से हटाया गयाः प्रशासन ने "डॉग बाबू" के नाम पर जारी किया गया निवास प्रमाण-पत्र तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। डीएम ने बताया कि आईटी सहायक ने आवेदन को बिना सही जांच के आरओ लॉगिन कर दिया था। इस लापरवाही के कारण उसे तत्काल प्रभाव से नौकरी से हटा दिया गया है। राजस्व अधिकारी ने बिना आवश्यक जांच किए गलत साक्ष्यों पर भरोसा करके प्रमाण-पत्र जारी कर दिया था। अब इस अधिकारी को निलंबित करने की अनुशंसा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से की गई है।

फर्जी पहचान पत्र और शपथ-पत्र का हुआ दुरुपयोगः इस पूरे मामले में आवेदन करने वाले ने किसी दूसरे व्यक्ति के पहचान पत्र का गलत इस्तेमाल किया और झूठा शपथ-पत्र देकर फर्जी प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन दिया। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस अनुसंधान कर रही है और कड़ी कार्रवाई की तैयारी है। मामले की विधिवत जांच जारी है और इसकी तह तक जाया जाएगा।

दिल्ली की महिला निवासी के आधार कार्ड का किया गया दुरुपयोगः जैसे ही "डॉग बाबू" के नाम से प्रमाण-पत्र जारी होने की बात सामने आई, जिलाधिकारी ने मसौढ़ी के अनुमंडल पदाधिकारी को प्राथमिक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। रिपोर्ट में यह पाया गया कि एक महिला (जो दिल्ली की निवासी है) के आधार कार्ड का दुरुपयोग करते हुए निवास प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन किया गया था। इस मामले में स्थानीय थाने में तीन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच के दौरान जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, मसौढ़ी के अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

बोरे में मिले शव की पहचान के बाद बवाल परिजन ने दानापुर-मनेर एनएच किया जाम

एजेंसी, पटना

बेटी बोली- पड़ोसी से झगड़े के बाद से लापता थे पिता

दानापुर के मनेर थाना क्षेत्र के व्यापुर में गंगा नदी किनारे 25 जुलाई को बोरे में बंद हाथ-पैर बंधा हुआ शव मिला था। इस शव की पहचान अब ब्यापुर गांव के बिचली गली निवासी रुदल राय के पुत्र टुन्ना राय के रूप में हुई है। मृतक के परिजन ने शव के तस्वीरों और उसके कपड़ों से उसकी पहचान की है। टुन्ना राय मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह पिछले 8 दिनों से लापता था। परिजनों ने इसकी जानकारी मनेर पुलिस को दी थी।

शव की पहचान होने के बाद ग्रामीण उग्र हुएः पुलिस ने बरामद शव की पहचान न होने के कारण कुछ दिन दानापुर अनुमंडल अस्पताल में रखने के बाद उसका दाह संस्कार कर दिया था। शव की पहचान होते ही मंगलवार सुबह मृतक के परिजन और ग्रामीण उग्र हो गए। आक्रोशित लोगों ने मनेर-दानापुर राष्ट्रीय मार्ग पर आगजनी कर जाम लगा दिया। इस दौरान परिजनों ने मनेर पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी देर बाद परिजनों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया।

बेटी बोली- पड़ोसियों से झगड़े के बाद से पिता लापता थेः मृतक की बेटी शिवानी ने बताया कि उनके पिता 22 जुलाई से लापता थे। उसने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को पड़ोसियों से हुए झगड़े में उन्होंने धमकी दी थी। उसके बाद से उनके पिता लापता थे। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि 25 जुलाई को व्यापुर में गंगा किनारे शव बरामद हुआ था। सोमवार को व्यापुर निवासी टुन्ना राय के रूप में उसकी पहचान हुई है। परिजनों ने बताया कि वे पहले से टुन्ना राय की गुमशुदगी का मामला थाने में दर्ज नहीं कराया था और अपने स्तर पर खोजबीन कर रहे थे।

बोरे में मिली थी हाथ-पैर बंधी लाशः हत्या का मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि 25 जुलाई को व्यापुर में सोन नदी के किनारे चार दिन पूर्व एक युवक का शव बोरे में हाथ पैर बंधा शव मिला था। शव पूरी तौर पर सड़े-गले स्थित में था। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया था।

पटना में स्कूल जा रहे बच्चे को लगा करंट, मौत

एजेंसी, पटना

♦ परिजन ने बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप, कहा- जर्जर तारें जमीन पर गिरी रहतीं

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित खलीलपुर गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। स्कूल जाते समय 10 वर्षीय छात्र मोहम्मद आसिफ राजा बिजली के करंट की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग और फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चे को फुलवारी शरीफ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान खलीलपुर निवासी मोहम्मद फैसल उर्फ कैश के पुत्र मोहम्मद आसिफ राजा के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, आसिफ खलीलपुर स्थित विद्यालय जा रहा था। विद्यालय के नजदीक बिजली का तार रास्ते पर गिरा हुआ था। रास्ते पर पानी होने के कारण बच्चे को इसका आभास नहीं हुआ और वह करंट की चपेट में आ गया। स्थानीय निवासी मोहम्मद सरवर ने बताया कि सोमवार रात बारिश के कारण बिजली का तार गिर गया था। इसकी सूचना बिजली विभाग को दी गई थी। इसके बावजूद बिजली विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे यह हादसा हुआ। इस मामले में फुलवारी शरीफ के बिजली विभाग के कनीय अभियंता और एसडीओ से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि यह मामला खगौल एसडीओ के अधिकार क्षेत्र में आता है।

बिहार म्यूजियम में लगेगी विदेशी कलाओं की प्रदर्शनी

एजेंसी, पटना

बिहार म्यूजियम विदेशी कलाओं की प्रदर्शनी से सजेगा। 7 अगस्त से बिहार म्यूजियम बिनाले का आयोजन हो रहा है। इसमें 8 अलग-अलग देश भाग लेंगे। इस बार का आयोजन 'ग्लोबल साउथ थीम' पर है। 8 और 9 अगस्त को संग्रहालय से संबंधित विषयों पर सेमिनार होंगे, 10 और 11 अगस्त को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस बार कार्यक्रम की संख्या ज्यादा होने पर बिहार म्यूजियम के अलावा बापू टावर में और पटना म्यूजियम में भी आयोजन होगा।

मेक्सिको, इक्वाडोर सहित 8 देशों की लगेगी प्रदर्शनीः इस बिनाले में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों को आमंत्रित किया गया है। इस बार प्रमुख देश जो भाग लेंगे वह मेक्सिको, इक्वाडोर, पेरू, अर्जेंटीना, इथोपिया, कजाकिस्तान, इंडोनेशिया, श्रीलंका है। इसके अलावा इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स (IGNCA), नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (NGMA) और मेहरानगढ़ से अलग-अलग कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। बिहार म्यूजियम के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि बिहार म्यूजियम बिनाले का यह तीसरा संस्करण है। हम हर 2 वर्षों पर बिहार म्यूजियम बिनाले आयोजित करते हैं।

पटना में 'संपूर्ण क्रांति ग्राम स्वराज पार्टी' का उद्घाटन, गांव के सर्वांगीण विकास पर रहेगा फोकस

बीएनएम@पटना

राजधानी पटना के लक्ष्मी नारायण लेन स्थित अनामिका शिवनगर आदिवासी कॉलोनी में मंगलवार को संपूर्ण क्रांति ग्राम स्वराज पार्टी के प्रधान कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस मौके पर पार्टी के गठन की भी औपचारिक घोषणा की गई। उद्घाटन समारोह के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. आनंद कुमार तिवारी ने संगठन के उद्देश्य और कार्यशैली को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत किया। डॉ. तिवारी ने बताया कि पार्टी महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और सामाजिक न्याय की अवधारणाओं को आधार बनाकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करना है। समारोह में उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार हर्ष राजपूत ने कहा कि पार्टी ग्रामीण विकास को केंद्र में रखकर नीतियों का निर्माण करेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन के मुख्य संयोजक कुमार यशवर्धन ने पांच प्रमुख पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पार्टी का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार हर्ष राजपूत, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. आनंद कुमार तिवारी, और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुलभूषण सिंह राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रिचा सिंह जैसे समर्पित लोगों के हाथों में रहेगा, जो पार्टी के सिद्धांतों और कार्ययोजना को ज़मीन पर लागू करेंगे। संपूर्ण क्रांति ग्राम स्वराज पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह चुनावी राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाएगी। आने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में पार्टी अपने प्रत्याशी मैदान में उतारेगी और विकास तथा न्याय के एजेंडे के साथ जनता के बीच जाएगी। पार्टी ने खुद को एक वैकल्पिक राजनीतिक ताकत के रूप में प्रस्तुत करते हुए यह दावा किया है कि वह देश के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता और सहभागिता के ज़रिए एक नया राजनीतिक अध्याय शुरू करेगी।

आज मोतिहारी के बापू सभागार में होगा आयोजन

पाण्डेय सिस्टर्स की लोक प्रस्तुति से सजेगा चंपारण गौरव सम्मान समारोह

जिले की दर्जनों विभूतियों को मिलेगा सम्मान

बीएनएम @ मोतिहारी।

पाण्डेय वाटिका और लायराना मोशन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार, 30 जुलाई को मोतिहारी के बापू सभागार में चंपारण गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में चंपारण के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति के रूप में भोजपुरी और लोक संगीत की प्रसिद्ध गायिकाएं पाण्डेय सिस्टर्स – करीना पाण्डेय और अस्मिता पाण्डेय – अपने लोकगीतों से उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर करेंगी। समारोह में चंपारण की दुर्लभ लोकसंस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी। पारंपरिक झिझिया, रामायण आधारित नृत्य और अन्य लोक कलाओं की प्रस्तुति इस आयोजन की विशेषता होगी। आयोजन के मुख्य प्रायोजक राजू पाण्डेय ने बताया कि यह मंच उन विभूतियों को सम्मान देने का प्रयास है, जिन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य किया है। यह नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का एक प्रयास है। इस अवसर पर बिहार राज्य बार काउंसिल के पूर्व उप चेयरमैन और जिला बार काउंसिल के महासचिव राजीव द्विवेदी उर्फ पप्पू द्विवेदी, पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक गायिका डॉ. नीतू कुमारी नूतन, टाइम्स ऑफ इंडिया के वरिष्ठ पत्रकार और गांधीवादी चिंतक चंद्रभूषण पांडेय, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल ब्रेन सर्जन डॉ. प्रकाश खेतान, हिंदुस्तान टाइम्स द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार सागर सूरज, ऑल इंडिया रेडियो की लोक गायिका चमेली पांडे, सिसवा पंचायत की मुखिया तान्या प्रवीण, रक्तदान क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए समाजसेवी अनुरुद्ध लोहिया, महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी की प्रथम गोल्ड मेडलिस्ट कंचन कुमारी, प्रगतिशील किसान संतोष कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन खिलाड़ी कुमकुम कुमारी और पहाड़पुर की बेटी शिखा पाण्डेय को चंपारण गौरव सम्मान से नवाजा जाएगा। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य विशिष्ट जनों को विशेष सम्मान भी प्रदान किया जाएगा। समारोह में चंपारण प्रक्षेत्र के आरक्षी उप महानिरीक्षक हरकिशोर राय, महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और डॉ. एस. हुसैन सहित कई गणमान्य लोग अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

आज समाहरणालय परिसर में शिक्षा मंत्री करेंगे "आकांक्षा हाट" का उद्घाटन

बीएनएम @ मोतिहारी।

मोतिहारी। जिले के कल्याणपुर और केसरिया प्रखंडों में आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत हुए उत्कृष्ट कार्यों को लेकर बुधवार को समाहरणालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के शिक्षा मंत्री सह पूर्वी चंपारण के प्रभारी मंत्री द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में आकांक्षी प्रखंड योजना अंतर्गत बेहतर कार्य करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि जुलाई से सितंबर 2024 के बीच जिले में इस कार्यक्रम को क्रियान्वित किया गया था, जिसमें कुल 40 इंडिकेटर में से तीन प्रमुख बिंदुओं पर शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की गई है। इनमें 30 वर्ष से अधिक उम्र वालों की ब्लड प्रेशर और मधुमेह की जांच तथा किसानों की मिट्टी स्वास्थ्य परीक्षण शामिल है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के मार्गदर्शन और उप विकास आयुक्त के नेतृत्व में लगातार कार्यक्रम की निगरानी की गई। इसके तहत स्वास्थ्य, आईसीडीएस, कृषि एवं जीविका विभागों की प्रमुख भूमिका रही। इसी अवसर पर "आकांक्षा हाट" का भी शुभारंभ किया जाएगा, जिसमें वोकल फॉर लोकल थीम के तहत स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की जाएगी। हाट में स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, जीविका एवं बैंकिंग सहित विभिन्न विभागों द्वारा कुल 12 स्टॉल लगाए जाएंगे, जो आगामी 7 दिनों तक आम लोगों के लिए खुले रहेंगे। उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में आज हाट की तैयारियों को लेकर बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें सभी विभागों को स्टॉलों के बेहतर प्रदर्शन हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई समीक्षा बैठक

आरटीपीएस सेवाओं में अनियमितता पर डीएम सख्त, गलत आवेदनों पर होगी प्राथमिकी

सभी अंचलाधिकारियों को दिए गए स्पष्ट निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण की अध्यक्षता में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में अपर समाहर्ता, लोक शिकायत निवारण-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिकारी आरटीपीएस, सभी अंचलाधिकारी, राजस्व अधिकारी और आईटी सहायकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान लोक सेवा केंद्र (आरटीपीएस) के निरीक्षण में यह पाया गया कि जाति, आवासीय, आय, गैर-क्रीमी लेयर (एनसीएल) और अन्य प्रमाण पत्रों के आवेदन बिना विधिवत जांच के ही निष्पादित किए जा रहे हैं। यह लोक सेवाओं के अधिकार अधिनियम की भावना के प्रतिकूल है। जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत ऑनलाइन आवेदन करता है, तो उसे रिजेक्ट करने के साथ-साथ उस पर विधिक कार्रवाई भी की जाए। कोटवा प्रखंड का एक मामला इस संदर्भ में सामने आया है, जिसमें एक आवेदनकर्ता ने जानबूझकर गलत जानकारी के साथ प्रमाण पत्र हेतु आवेदन किया था। संबंधित अंचलाधिकारी ने न केवल आवेदन को अस्वीकार किया बल्कि उस व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अंचल और राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरटीपीएस के तहत प्राप्त सभी आवेदनों की पूरी तरह से स्थलीय जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन के साथ संलग्न साक्ष्यों की अनिवार्य रूप से जांच की जानी चाहिए और निष्पादन के पूर्व उस पर 50 से 100 शब्दों में स्पष्ट रूप से मन्तव्य या अनुशंसा अंकित की जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि आवेदनकर्ता के स्पष्ट फोटो और पहचान पत्र की सत्यता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि गलत आवेदनों पर नियंत्रण रखा जा सके और आरटीपीएस सेवाओं की विश्वसनीयता बनी रहे।

महंगे कपड़े और नकदी की डिमांड, एसपी की सख्त कार्रवाई से हड़कंप

बेल के बदले घूस मांगने की ऑडियो वायरल, महिला दरोगा निलंबित

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिले की पीपरा थाना में पदस्थापित महिला दरोगा आभा कुमारी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। एक ऑडियो क्लिप के वायरल होने के बाद उन पर गंभीर आरोप लगे हैं, जिसमें वह एक केस में बेल दिलाने के बदले महंगे ब्रांडेड कपड़े और नकदी की मांग करती सुनाई दे रही हैं। ऑडियो सामने आते ही एसपी स्वर्ण प्रभात ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला दरोगा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और विभागीय जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, एक परिवादी से बेल दिलाने के नाम पर की गई इस मांग को लेकर उसने पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली और वह ऑडियो एसपी को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दी। शिकायत की सत्यता की जांच के लिए ऑडियो की प्रारंभिक जांच कराई गई, जिसमें आरोप सत्य पाए गए। एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट किया कि "भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। दोषी चाहे जो भी हो, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने बताया कि महिला दरोगा की ऑडियो में बातचीत पुष्टि योग्य और संदिग्ध व्यवहार को दर्शाती है, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई है।

> "भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। दोषी चाहे जो भी हो, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।"
> स्वर्ण प्रभात, पुलिस अधीक्षक- मोतिहारी

महावीरी झंडा के मद्देनजर प्रशासनिक अधिकारियों ने किया शहर का भ्रमण

शांतिपूर्ण आयोजन की अपील, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए दिशा-निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी।

महावीरी झंडा पर्व को लेकर शहर में प्रशासनिक सक्रियता तेज हो गई है। इसी कड़ी में अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) द्वारा मंगलवार को सुगौली, सुगौली के जनता चौक, छतौनी एवं मोतिहारी शहर के अन्य प्रमुख चौक-चौराहों का निरीक्षण एवं भ्रमण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और दुकानदारों से संवाद स्थापित करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से महावीरी झंडा यात्रा निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन त्योहार को लेकर पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की अफवाह या अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने जुलूस मार्गों की स्थिति, भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक व्यवस्था तथा संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा प्रबंध की भी समीक्षा की। साथ ही मौके पर उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शहर के विकास को लेकर जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त संग किया विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण

पर्यटन और आधारभूत संरचना विकास को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने मंगलवार को नगर निगम आयुक्त सौरभ सुमन यादव के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। यह भ्रमण शहर के समग्र विकास, पर्यटन की संभावनाओं और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में किया गया। निरीक्षण की शुरुआत रघुनाथपुर से मजुरहा फायरिंग रेंज को जोड़ने वाले वैकल्पिक मार्ग की संभावना तलाशने से हुई, जहां जिलाधिकारी और नगर आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। इसके बाद जिलाधिकारी रोइंग क्लब पहुंचे, जहां उन्होंने नगर आयुक्त के साथ मिलकर पर्यटन को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर चर्चा की। इसी क्रम में, जिला स्कूल के लिए बनाए जा रहे नए पथ का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने इसके उपरांत पिपराकोठी का दौरा किया, जहां उन्होंने पिपराकोठी झील (धनौती नदी) का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में यहां नौका विहार, तरण ताल, वाटर सर्फिंग जैसे जल क्रीड़ा गतिविधियों को विकसित कर इसे एक पर्यटक आकर्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। इस अवसर पर सहायक समाहर्ता प्रिया रानी, अंचलाधिकारी पिपराकोठी, एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोटवा में फर्जी आवेदन पर एफआईआर, प्रमाण पत्र जारी होने की खबर अफवाह

प्रशासन ने किया भ्रामक खबरों का खंडन

बीएनएम @ मोतिहारी।

कोटवा प्रखंड में फर्जी प्रमाण पत्र जारी होने की खबर को जिला प्रशासन ने भ्रामक और तथ्यहीन करार दिया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी प्रकार का गलत प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, RTPS पोर्टल के माध्यम से एक जानबूझकर गलत आवेदन दिया गया था। अंचलाधिकारी ने उक्त आवेदन को रिजेक्ट करते हुए आवेदक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला स्तर से सभी अंचलाधिकारियों को यह निर्देशित किया गया है कि यदि इस प्रकार के फर्जी आवेदन प्राप्त होते हैं तो उन्हें न केवल अस्वीकार किया जाए, बल्कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ विधिक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न दें और सत्यापन के बाद ही किसी सूचना को साझा करें।

जीविका महिला संघ द्वारा सिलाई प्रशिक्षण एवं वस्त्र उत्पादन केंद्र का शुभारंभ

बीएनएम @ बेगूसराय

हसनपुर बागर के दीप तथा आकाश जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ में सिलाई ट्रेनिंग सेंटर तथा वस्त्र उत्पादन केन्द्र का शुभारंभ मंगलवार को किया गया. इसका विधिवत उद्घाटन जीविका के बीपीएम मनोरंजन कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया.उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है.जीविका तथा राज्य सरकार के बीच आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा विभिन्न प्राइमरी स्कूल, मिडिल स्कूल में पढ़ने वाले स्कूली छात्र, छात्राओं को सिला सिलाया स्कूल ड्रेस देने का करार हुआ है.इस ट्रेनिंग सेंटर से जीविका से जुड़ी महिलाओं को ड्रेस तैयार करने की ट्रेनिंग प्रदान कर रोजगार मुहैया कराना मकसद है. इससे महिलाओं की आय में वृद्धि होगी तथा आर्थिक रूप से सशक्त होगी.मौके पर सामुदायिक समन्वयक विकास कुमार, दुलार चंद राम, रोहित कुमार, कुंदन कुमार, जीविका दीदी बिंदु कुमारी, सीमा खातुन, पिंकी देवी, मंजूषा देवी आदि मौजूद थे.

एसएसबी ने जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों के साथ की समन्वयक बैठक

बीएनएम @ घोड़ासहन

मोतिहारी की 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने मंगलवार को बाह्य सीमा चौकी महुआवा में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में स्थानीय ग्रामीण और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कमांडेंट कुमार ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखना एसएसबी का प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि ग्राम समन्वय बैठकें एसएसबी का नियमित कार्य है। इससे आपसी तालमेल बना रहता है और सीमा पर तस्करी, राष्ट्र विरोधी तथा असामाजिक गतिविधियों को रोकने में सहयोग मिलता है। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना था। कमांडेंट ने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अज्ञात व्यक्ति की सूचना तुरंत एसएसबी को दें। उन्होंने सीमा अपराधों की रोकथाम में ग्रामीणों की भूमिका को अहम बताया। इस दौरान सीमावर्ती लोगों की समस्याओं को भी सुना गया। कमांडेंट ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी को सीमा पर अकारण रोकना नहीं, बल्कि गलत गतिविधियों को रोकना है। बैठक में सीमावर्ती विकास योजनाओं, तस्करी रोकथाम, नशा उन्मूलन अभियान और आपदा प्रबंधन पर भी चर्चा हुई। कमांडेंट कुमार ने बताया कि सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है और नेपाल से आवागमन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बैठक में महुआ पंचायत के मुखिया संतोष गिरी, बखरी पंचायत के मुखिया मो. तासिम, भेलवा पंचायत के मुखिया मदन प्रसाद, समाजसेवी हृदयनारायण और भेलवा पंचायत के सरपंच कुंदन कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। एसएसबी की ओर से उप कमांडेंट संतोष कुमार, सहायक कमांडेंट प्रमोद कुमार, गोपाल चकमा, आकाश यादव, टी शेरिंग चोसगयाल और निरीक्षक भेरजी सोथा भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बगहा पुलिस ने विशेष अभियान में 56 वारंटों का किया निष्पादन,कांड में तीन गिरफ्तार

वाहन जांच में लगाया 55 हजार 5 सौ रुपयों का लगाया जुर्माना

बगहा (नगरसंवाददाता) बगहा पुलिस जिला अंतर्गत विगत दिन पुलिस ने विशेष अभियान में विभिन्न कांडों में 3 अभियुक्तों की गिरफ्तारी किया है . इस दौरान पुलिस ने कुल 56 वारंटों का निष्पादन किया है .अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज के दिशानिर्देश में चलाए गए .विशेष अभियान में पुलिस ने वाहन जांच अभियान में यातायात समेत विभिन्न थाना की पुलिस ने 55 हजार 500 रुपयों का जुर्माना कुल 400 वाहनों के जांच के उपरांत लगाया गया है .वही दूसरी ओर पुलिस ने 4 लीटर अंग्रेजी व 8 लीटर देशी चुलाई शराब व दो मोटरसाइकिल जप्त किया गया है .वही एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि गैर सामाजिक गतिविधियों के रोकथाम के लिए जिले में लगातार सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है . इसके साथ ही लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों के गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है . शराब कारोबारी व शराबियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस निरंतर अभियान चला रही है .

तरारी में धूमधाम से मनाया गया नागपंचमी

तरारी/भोजपुर। तरारी प्रखंड में नागपंचमी का त्योहार पारंपरिक रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर तरारी प्रखंड के सेदहा व विश्म्भरपुर गांव स्थित नाग देवता के मंदिरों में विधिवत रूप से पूजा अर्चना की गयी। विशंभरपुर स्थित प्रसिद्ध तक्षक मंदिर में पुजारी उमेश्वर पाडेय की देखरेख में आयोजित पूजा अनुष्ठान में विशभरपुर, ईमादपुर, पनवारी सहित आसपास के गावों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान यहा मेला सा दृश्य देखा गया। मंदिर के पुजारी के अनुसार यहा मंदिर में स्थापित नाग देवता को परंपरा अनुसार दूध एवं लावा का चढ़ावा चढ़ाया गया। दूसरी ओर सेदहा गाव स्थित सपहा बाबा के मंदिर में परंपरा अनुसार भव्य पूजा अनुष्ठान का आयोजन किया गया। यहा दूर-दूर से लोग नाग देवता को चढ़ावा चढ़ाने के लिए पहुंचे थे। मौके पर सपहा बाबा के मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। मंदिर के आसपास लोगों की जुटी भीड़ और चारों तरफ सजी दुकानों से यहा मेला सा दृश्य बना हुआ था। इस मौके पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने पूरे उत्साह के साथ शिरकत किया। सपहा बाबा पंदिर के पुजारी के अनुसार इस मंदिर के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। साप, बिच्छू जैसे जहरीले जंतुओं के काटने से पीड़ित लोग अक्सर यहा पहुंचते हैं, जहा उनका सारा वीष सपहा बाबा की कृपा से छू मंतर हो जाता है। नाग पंचमी के मौके पर यहा नाग देवता की प्रतिमा पर बड़ी संख्या में लोगों ने दूध एवं लावा का चढ़ावा चढ़ाकर अपनी कुशलता के लिए मन्नते मांगी।

लाभार्थियों का एफआरएस शीघ्र पूर्ण कर पोषाहार का समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करें : डीएम

आरा। समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में आईसीडीएस निदेशालय अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पोषण अभियान से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस को निर्देशित किया कि सभी लाभार्थियों का एफआरएस शीघ्र पूर्ण कर पोषाहार का समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही, पोषण ट्रैकर के सभी इंडिकेटर्स पर शत प्रतिशत डेटा अपलोड कराने को भी प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों की भौतिक स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रत्येक केंद्र पर नल जल की सुविधा तथा शौचालय का प्रबंध अविलंब सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत निर्धारित मासिक लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही, पोषण ट्रैकर पर नियमित डेटा अपडेट करने एवं आंगनवाड़ी केंद्रों का समय-समय पर निरीक्षण कर सभी निर्धारित लक्ष्यों की शत प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश डीपीओ आईसीडीएस को दिया गया। मौके पर डीपीओ, आईसीडीएस, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जिला समन्वयक पोषण अभियान एवं जिला मिशन समन्वयक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर याद किए गए स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व विधायक स्व. रामजी प्रसाद सिंह

आरा। स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय रामजी प्रसाद सिंह की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रामजी प्रसाद सिंह ग्रामीण विकास, सामाजिक एवं आर्थिक शोध संस्थान तथा अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में आरा क्लब आरा में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। अध्यक्षता अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष नित्यानंद शर्मा ने और संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. शशि कुमार सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पूर्व प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में बक्सर के विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, विशिष्ठ अतिथि विधायक संतोष मिश्रा, डॉ. जीत शर्मा, पद्मश्री भीम सिंह भावेश, कांग्रेस अध्यक्ष अशोक राम सहित अन्य गणमान्य अतिथि शामिल थे। भारत की आजादी, नवनिर्माण और वर्त्तमान विषय पर स्वतंत्रता सेनानियों, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों, बुद्धिजीवियों एवं वर्तमान पीढ़ी के युवाओं छात्रों के बीच संवाद आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि विधायक संजय कुमार तिवारी ने स्वर्गीय रामजी प्रसाद सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में रामजी बाबू जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के अथक प्रयासों से यह देश आजाद हुआ। ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए हम याद करते है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नित्यानंद शर्मा ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने लाखो की कुर्बानियां दी तब जाकर यह देश आजाद हुआ है। इसके महत्व को आज की पीढ़ी को समझना होगा और इससे प्रेरणा लेनी होगी। इस अवसर पर प्रकाशित शोध पत्रिका वैचारिकी का भारत की आजादी, नवनिर्माण और वर्त्तमान विशेषांक का विमोचन किया गया। मौके पर प्रो. नंदजी दुबे, प्रो. बलराज ठाकुर, डॉ. कुंदन कुमार सिंह, डॉ. बीके शुक्ला, डॉ. भीम सिंह भवेश, डॉ. राजू मोची, डॉ. रेणु मिश्रा, राजेश सिंह, आलोक सिंह, प्रो. अरूण कुमार सिंह, प्रो. राजेन्द्र पाण्डेय, मृत्युंज्य कुमार सिंह, पप्पु जी, अशोक राम, वीरेंद्र मिश्रा, सत्य प्रकाश राय, जितेंद्र शर्मा, अंजनी पांडे, संतोष कुमार सिंह, डॉ. भूपेंद्र नारायण सिंह, अब्बास खान, शशिकांत तिवारी, प्रो. पारस राय, डॉ. रेनू मिश्रा, प्रमोद राय, रामसुंदर दूबे, विजय भारती, डॉ जंगी सिंह, प्रो. त्रिवेणी राय, सत्यदीप कुमार, अशोक कुमार सिंह, ओमप्रकाश मुन्ना, भारत सिंह, अजय कुमार, गूंजय कुमार, संतोष तिवारी, लाल सिंह, कंचन प्रभा सिंह, गोबर्द्धन सिंह, डॉ. मदन मोहन द्विवेदी, प्रो. पारस राय समेत अन्य मौजूद थे।

पूर्व विधायक मो.सरफुद्दीन अल्पसंख्यक संवाद कार्यक्रम में हुए भावुक

बीएनएम @ शिवहर।

- पूर्व विधायक सरफूद्दीन ने मंच से कहा कि दावे के साथ कहता हूं कि जदयू की टिकट लेकर मैं ही आऊंगा और चुनाव में ही लड़ूंगा। पिछली चुनाव में मुझे अपनों ने हराया

गांधी भवन सभागार में अल्पसंख्यक संवाद कार्यक्रम शिवहर के पूर्व विधायक मोहम्मद सरफुद्दीन के नेतृत्व आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व राज्यसभा सांसद अशफाक करीम, पूर्व विधान परिषद सदस्य प्रोफेसर गुलाम घोष, सीतामढ़ी के पूर्व विधायक खलील अंसारी पहूंचे। कार्यक्रम अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष जावेद आलम के द्वारा किया गया जिसका संचालन सुगीया के मुखिया एवं पार्टी के प्रवक्ता आफताब आलम ने किया। अल्पसंख्यक संवाद के मुख्य उद्देश्य को बताते हुए राज्यसभा के पूर्व सांसद अशफाक करीम ने कहा है कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करना, उनके साथ भेदभाव को रोकना, और उन्हें समान अवसर प्रदान करना। यह संवाद सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में भी मदद करता है। अल्पसंख्यक संवाद के कुछ विशिष्ट उद्देश्य हैं। उन्होंने बताया है कि अल्पसंख्यक समुदायों को उनके अधिकारों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए, और उन्हें समान कानूनी सुरक्षा और अवसर प्रदान किए जाने चाहिए।अल्पसंख्यक समुदायों के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए, और उन्हें सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक जीवन में समान रूप से भाग लेने का अधिकार होना चाहिए। समान अवसर प्रदान करना है।अल्पसंख्यकों को शिक्षा, रोजगार, और अन्य अवसरों तक समान पहुंच होनी चाहिए। गांधी नगर भवन में अल्पसंख्यक समुदायों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मोहम्मद सरफुद्दीन ने कहा कि पिछली चुनाव में मुझे अपनों ने ही हराया कहते हुए भावुक को गए, उन्होंने कहा है कि इससे बहुत बड़ी सीख मिली है।

जब मुझे किसी ने 10 करोड रुपए की लालच देकर हमें तोड़ने की कोशिश की थी तो मैंने बहिष्कार करते हुए नीतीश कुमार का सच्चा सिपाही होने का सबूत पेश कर चुका हूं। उन्होंने कहा है कि इस बार दावे के साथ कहता हूं कि जदयू की टिकट लेकर मैं ही आऊंगा और चुनाव मैं ही लड़ूंगा। मो.शरफुद्दीन ने कहा कि मैं शिवहर की जनता के लिए हमेशा लड़ता रहा हूं, और हर वक्त हाजिर रहता हूं,आने वाले दिनों में नई ऊर्जा के साथ और मजबूती से अपनी आखिरी सांस तक शिवहर की जनता के लिए लड़ूंगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जावेद आलम ने किया तो वहीं संचालन जिला प्रवक्ता आफताब आलम ने किया। कार्यक्रम मुख्य रूप से जदयू जिला उपाध्यक्ष नेयाज अहमद,जदयू मीडिया प्रभारी खलीकुर रहमान,सुन्नी वक्फ बोर्ड के जिला उपाध्यक्ष मो० मुस्तफा,जदयू किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष क़ैसर आलम,जदयू तकनीकी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष महबूब आलम, मोहम्मद हामिद , मोहम्मद नेमतुल्लाह, सोएब आलम खान, मोहम्मद कलीमुलाह ,मोहम्मद तमन्ना खान, मोहम्मद फारूक साहब, जाकिर आलम , मोहम्मद अलकमा , बच्चा बाबू , मोहम्मद इश्तेयाक आलम इत्यादि मुख्य रूप से शामिल रहे।।

दिनेश अग्रवाल बगहा विधानसभा क्षेत्र में बनेंगे आवाज

बीएनएम @ बगहा

- बगहा जिला बने इसकी आवाज हमेशा उठाते हैं
- अपने निजी कोष से बहुत से निर्धन विद्यार्थियों का पढ़ाई का खर्चा, बीमार लोगों का इलाज का खर्चा उठाते हैं
- इनके जन संवाद कार्यक्रम में उमड़ता है जन सैलाब

दिनेश अग्रवाल ने 5 वर्षों से बगहा विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। वह प्रतिदिन बगहा विधानसभा के हर पंचायत में जाकर लोगों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करते हैं। शोषित वंचित, दलित, आदिवासी, महादलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, समुदायों के साथ-साथ सभी समुदायों के उत्थान के लिए तत्पर रहते हैं। उनका दरवाजा जनता के लिए 24 घंटा खुला रहता है। दिनेश अग्रवाल अस्पताल में किसी प्रकार के चिकित्सा उपचार हो या बगहा विधानसभा में घटना दुर्घटना होने पर स्वत पहुंचकर संज्ञान लेते हैं। दिनेश अग्रवाल के क्षेत्र भ्रमण के दौरान पंचायत के अधिकतर विद्यालय मे पहुंचने पर शिक्षा के मंदिर भवन के जर्जर होने पर पीड़ादायक भावना व्यक्त करते हैं। बच्चों के पढ़ाई ,दवाई, रोजगार, लोन के ब्याज को माफ करने के लिए वह लगातार आवाज उठाते रहते हैं। इन्होंने कहा कि बगहा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से जानता मुझे विधायक निर्वाचित करती है तो सभी समुदायों के लिए विधानसभा में आवाज बनने का काम करूंगा। जनता के लिए मेरा जीवन समर्पणहै। अब जनता की समस्याओं को विधानसभा में उठाकर ज्वलंत समस्याओं को उजागर करने का काम करूंगा। दिनेश अग्रवाल सभी समुदाय के लिए तन मन धन से खड़े रहते हैं। बेवाक होकर कहते हैं की जनता मेरा मालिक है मैं उनके सेवक हूं सेवक का दरवाजा मलिक के लिए 24 घंटे खुला रहता है।

प्रदान संस्था का एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ बेगूसराय

प्रखंड के समसा पंचायत में प्रदान संस्था की ओर से एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित की गयी.इसकी अध्यक्षता मुखिया अभिषेक कुमार ने किया.इसमें मनरेगा कर्मी एवं पंचायत के किसान शामिल हुए.प्रशिक्षण में किसान को बागवानी एवं तलाब निर्माण पर मिलने वाले अनुदान आदि पर चर्चा की गयी.संस्था के अभिषेक कुमार के द्वारा आजीविका में वृद्धि,मनरेगा द्वारा संचालित योजनाएं, बागवानी एवं तलाब के उपर प्रोजेक्टर के माध्यम से सघन बागवानी करने के तरीके को बताया गया. बागवानी में खेती, लेआउट, पौधे का चयन, पौधे का उपचार, सिंचाई, लगाने का विधी, बेहतर आमदनी के लिए योजना एवं मनरेगा के द्वारा मिलने वाले लाभ के बारे में बताया गया। वहीं गौतम गोस्वामी के द्वारा मछली पालन करने वाले किसानो के लिए मनरेगा एवं सरकार से मिलने वाले अनुदान के बारे में बताया गया. मछली पालन के गुर को सिखाया गया.मौके पर संस्था के शिवचन्द्र कुमार, रोजगार सेवक बबलू कुमार, किसान राजदेव महतो कपिल देव महतो,रामबली महतो, रामचन्द्र साह,कामनी कुमारी,नुतन कुमारी एवं अन्य उपस्थित थे.

गाजे-बाजे के साथ निकाला गया महावीरी झंडा जुलूस

युवाओं ने दिखाया कौशल

बीएनएम @ बगहा

बगहा में विधि विधान से बजरंगबली की पूजा करने के बाद महावीरी झंडा जुलूस बड़े ही धूमधाम और गाजे बाजे के साथ निकाला गया। जुलूस में युवाओं ने अपने कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। सैकड़ो लोगो के साथ जुलूस नगर का भ्रमण किया और इस दौरान खिलाड़ियों ने अपनी कला कौशल का भी प्रदर्शन किया।जुलूस देर रात सकुशल संपन्न होने पर शासन प्रशासन ने राहत की सांस ली। जुलूस में विभिन्न प्रकार की झांकियां और युवाओं के हैरतअंगेज कारनामे आकर्षण के केंद्र रहे।जुलूस में सभी समितियों के सदस्यों के हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का जज्बा पेश किया। इस दौरान बगहा एसपी सुशांत कुमार, सरोज,एसडीएम गौरव कुमार एसडीपीओ कुमार देवेंद्र, आदर्श नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार चक्रमण करते दिखे।

एसएसबी ने जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों के साथ की समन्वयक बैठक

बीएनएम @ घोड़ासहन

मोतिहारी की 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने मंगलवार को बाह्य सीमा चौकी महुआवा में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में स्थानीय ग्रामीण और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कमांडेंट कुमार ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखना एसएसबी का प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि ग्राम समन्वय बैठकें एसएसबी का नियमित कार्य है। इससे आपसी तालमेल बना रहता है और सीमा पर तस्करी, राष्ट्र विरोधी तथा असामाजिक गतिविधियों को रोकने में सहयोग मिलता है। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना था। कमांडेंट ने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अज्ञात व्यक्ति की सूचना तुरंत एसएसबी को दें। उन्होंने सीमा अपराधों की रोकथाम में ग्रामीणों की भूमिका को अहम बताया। इस दौरान सीमावर्ती लोगों की समस्याओं को भी सुना गया। कमांडेंट ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी को सीमा पर अकारण रोकना नहीं, बल्कि गलत गतिविधियों को रोकना है। बैठक में सीमावर्ती विकास योजनाओं, तस्करी रोकथाम, नशा उन्मूलन अभियान और आपदा प्रबंधन पर भी चर्चा हुई। कमांडेंट कुमार ने बताया कि सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है और नेपाल से आवागमन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बैठक में महुआ पंचायत के मुखिया संतोष गिरी, बखरी पंचायत के मुखिया मो. तासिम, भेलवा पंचायत के मुखिया मदन प्रसाद, समाजसेवी हृदयनारायण और भेलवा पंचायत के सरपंच कुंदन कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। एसएसबी की ओर से उप कमांडेंट संतोष कुमार, सहायक कमांडेंट प्रमोद कुमार, गोपाल चकमा, आकाश यादव, टी शेरिंग चोसगयाल और निरीक्षक भेरजी सोधा भी मौजूद रहे।

जल एवं बिजली संकट से उबारने को लेकर जिला प्रशासन कृत संकल्पित - डीएम

बीएनएम @ शिवहर।

जिले मे उतप जल एवं बिजली संकट को देखते हुए जिला पदाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता छविंद्र प्रसाद ,सहायक अभियंता विवेक कुमार तथा पीएचडी विभाग के कार्यपालक अभियंता अरूण प्रकाश, सहायक अभियंता संजय कुमार तथा डीपीआरओ अनुराग कुमार के साथ प्रेस वार्ता कर बताया कि शिवहर शहर सहित ग्रामीण इलाकों को जल एवं बिजली संकट से उबारने को लेकर जिला प्रशासन कृत संकल्पित है।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि बागमती का जल शुद्धिकरण करके नगर को पानी सप्लाई करने की पहल की जाएगी। पानी को लेकर अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन परियोजना पर भी काम किया जाएगा। नगर परिषद शिवहर में दो नए प्रोजेक्ट (पानी टंकी) बनाए जाएंगे। सब रजिस्टार आवास परिसर में 25000 लीटर का पानी का टंकी (बोरिंग) लगाया जाएगा जिससे पानी सप्लाई की जाएगी। डीएम ने स्पष्ट किया है कि पांच टैंकर के माध्यम से जरूरतमंदों को पानी सप्लाई किया जा रहा है।

पानी की समस्या को लेकर आपातकालीन व्यवस्था के तहत 24 घंटे जनता अपनी समस्या रिपोर्ट करवा सकते हैं। डीएम ने भी स्पष्ट किया है कि 40 जगहों पर ऑपरेटर काम नहीं कर रहे थे उन्हें मानदेय भुगतान कर सुनिश्चित किया गया है कि वह सुचारू प्रबंधन के तहत नल जल में बाधा ना डालें।

न्यायालय के आदेश की अवमानना में सीओ पर वाद

अमरेंद्र सिंह उर्फ राहुल सिंह ने बताया कि इस मामला को हाई कोर्ट भी ले जाया जाएगा

बीएनएम @ शिवहर।

प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों में कोर्ट के आदेश की अवमानना करने का प्रचलन सा चल निकला है. ऐसा ही एक मामला बगहा एक अंचल में सामने आया है. जिसमें कोर्ट के आदेश से उपर जाकर नोटिस जारी कर दिया गया है. इसको लेकर बगहा एक सीओ पर न्यायालय के आदेश की अवमानना में एक विविध वाद दायर किया गया है. अधिवक्ता राकेश पांडेय ने बताया कि अपर जिला न्यायाधीश तृतीय के कोर्ट से वर्ष 2020 में ही नगर के गोडियापट्टी स्थित खाता संख्या 347 खेसरा 277/2 पर यथास्थिति बहाल रखने का आदेश जारी किया गया था. इस आदेश के बाद भी बगहा एक अंचल की तरफ से उस जमीन पर अवस्थित मकान को ध्वस्त करने का नोटिस जारी किया दिया गया. श्री पांडेय ने बताया कि कोर्ट से निषेधाज्ञा आदेश के बाद भी 17 जुलाई 25 को अमरेन्द्र सिंह सहित कई को अतिक्रमण मुक्त कराने का नोटिस जारी किया गया है। हालाकि इस निषेधाज्ञा की जानकारी अमरेन्द्र सिंह के द्वारा अंचल को लिखित में दी गयी थी

बोली सीओ : इस बावत बगहा एक अंचल की सीओ नर्मदा श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्ट आदेश के बावत जानकारी नहीं थी. कुछ दिन पूर्व ही कागजात उपलब्ध कराया गया है. कोर्ट के आदेश के आधार पर ही कार्रवाई की जाएगी. इसके साथ ही उन्होने बताया कि नोटिस स्वयं अतिक्रमण हटाने का था। वही इस बाबत अमरेंद्र सिंह उर्फ राहुल सिंह ने बताया कि इस मामला को हाईकोर्ट भी ले जाया जाएगा।

धन के लिए समाज को क्षति

नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म-नियमन का पालन करना चाहिए। देश के हर नागरिक को उच्चतम न्यायालय की इस नसीहत पर अमल करना चाहिए। आत्म नियमन के अभाव में कई बार इस आजादी के नाम पर अपमानजनक काम हो जाते हैं चाहे वह कोई रचना हो या टिप्पणी। ऐसे काम समाज को दूषित कर सकते हैं या वैमनस्य बढ़ा सकते हैं। स्थिति आगे बढ़कर विभाजनकारी सोच को मजबूत करते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को भी बिगाड़ सकती है। ऐसी स्थिति की पूर्व कल्पना किसी भी काम से पहले कर लेनी चाहिए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विनाथन की पीठ वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही है। खान पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक हिन्दू देवता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं। खान ने एक अन्य सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एक वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। खान के वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि ऐसे पोस्ट के जवाब में आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। न्यायालय को लगता है कि लोगों के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर गाइडलाइन होनी ही चाहिए। पीठ ने सवाल किया कि नागरिक स्वयं संयम क्यों नहीं रख सकते? लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मोल समझना ही चाहिए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप अवश्यंभावी है जो कोई नहीं चाहता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता 100 फीसद पूर्ण अधिकार नहीं हो सकता, लेकिन नागरिक इस स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। प्रतिबंध होंगे तो सीमा से बाहर जाने पर कानून का भय रहेगा। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों को सही बताया। उच्चतम न्यायालय को इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि सोशल मीडिया मंच किस तरह लोगों को हदें तोड़ने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। किसी के भी खिलाफ कुछ भी लिख दो, अश्लील से अश्लील सामग्री पोस्ट कर दो।

डिंपल यादव पर रशीदी की टिप्पणी : अभिव्यक्ति की आज़ादी या विकृत वैचारिक मजहबी उग्रता?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव पर हाल ही में टीवी डिबेट के दौरान की गई ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी की आपत्तिजनक टिप्पणी ने सार्वजनिक विमर्श में फिर एक बार धार्मिक कट्टरता, स्त्री विरोध और सामाजिक ध्रुवीकरण के गंभीर प्रश्नों को जन्म दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की बयानबाजी नहीं, बल्कि उस वैचारिक प्रवृत्ति का हिस्सा है, जो धर्म की आड़ में व्यक्तिगत स्वतंत्रता, संविधानिक गरिमा और सार्वजनिक संवाद के स्तर को लांछित करती है । साथ ही स्त्री के 'स्व' को देह और कपड़ों में बंद कर सीमित रखना चाहती है। रशीदी ने एक ओर सांसद इकरा हसन के सिर ढंकने को आदर्श बताया, जबकि डिंपल यादव के खुले सिर पर कटाक्ष करते हुए उनके लिए जिन शब्दों का इस्तेमाल किया, उन्हें कम से कम सार्वजनिक तौर पर कोई भी सभ्य इंसान नहीं बोल सकता है। हद है कि मौलाना इसे अब भी सही ठहरा रहे हैं। मौलाना इसे 'मुस्लिम होने की सजा' बता रहे हैं और कह रहे हैं कि कुछ भी अपमानजनक नहीं कहा। उनका मकसद मुस्लिम भावनाओं की रक्षा करना था। यहां जो सबसे बड़ा प्रश्न उभरता है, वह यह कि क्या वे भारत को भी शरिया लॉ से चलाना चाहते हैं? वे किस हक से किसी स्त्री की गरिमा पर चोट कर सकते हैं? मौलाना रशीदी ने डिंपल यादव के पहनावे पर सवाल उठाते हुए इस हद तक चले गए! सिर और शरीर खुला है... शॉर्ट्स पहनने वाली लड़कियों को देखकर समाज उन्हें ....कहता है! इसी तरह से उनके द्वारा कहा गया, सड़क पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म होना कोई बड़ी घटना नहीं है, लेकिन एक महिला को आईना दिखाना इनके लिए बड़ी घटना है। उनका यह बयान अत्यंत घृणित और स्त्री विरोधी है। वास्तव में देखा जाए तो उनके इस कथन ने दोहरे विवाद को जन्म दिया है, एक; सार्वजनिक जीवन में कार्यरत महिलाओं की गरिमा पर सीधा आघात और दूसरा; धार्मिक प्रतीकों और अपेक्षाओं को सार्वभौमिक व्यवहार के मानक की तरह प्रस्तुत करने का दुस्साहस है यह। मौलाना रशीदी पहले भी कई बार ऐसी टिप्पणियाँ कर चुके हैं, जो उनकी इस्लामिक कट्टरता को दर्शाती है। इससे पहले 2020 में उन्होंने कहा था, "आज मुसलमान खामोश है। मेरी आने वाली नस्ल... मेरा बेटा, उसका बेटा, उसका पोता.... 50-100 साल के बाद एक हिस्ट्री उनके सामने आएगी कि हमारी मस्जिद को तोड़कर मंदिर बना दिया गया। उस वक्त हो सकता है कि कोई मुस्लिम शासक हो, कोई मुस्लिम जज हो या मुस्लिम शासन आ जाए... कुछ नहीं कहा जा सकता है कि क्या फेरबदल हो जाए... तो क्या उस हिस्ट्री की बुनियाद पर इस मंदिर को तोड़कर मस्जिद नहीं बनाई जाएगी? बिल्कुल बनाई जाएगी।" फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा इस्लामिक कट्टरता के खिलाफ दिए गए बयान पर बोले थे, "ऐसे लोगों को जिंदा नहीं छोड़ा जाना चाहिए।" तीन तलाक पर, उन्होंने इसे शरीयत का हिस्सा बताते हुए संसद में पारित कानून को "इस्लाम विरोधी" बताया और यहाँ तक कह दिया था कि "कोई कानून शरीयत से ऊपर नहीं हो सकता।" वे संविधान से ऊपर शरीयत की बात करते हैं। न्यायपालिका या संसद के फैसलों की अवमानना करते हैं।, हिंसा या उग्र विरोध को वैध ठहराते हैं। निश्चित ही ऐसे वक्तव्यों को धार्मिक स्वतंत्रता या अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि ये सीधे सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुँचाने वाले हैं। कहना होगा कि ऐसे बयान खुले तौर पर न केवल भारत के संवैधानिक भावना के विरुद्ध हैं, बल्कि हिंसा को वैध ठहराने का प्रयास भी हैं। वस्तुतः रशीदी की बयानबाजी बार-बार एक ही वैचारिक धारा की पुष्टि करती है, वह धारा जो इस्लामिक

मजहब की आड़ में लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करना चाहती है। महिलाओं के वस्त्र, सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी और धार्मिक प्रतीकों के आधार पर उनके चरित्र का मूल्यांकन करने की प्रवृत्ति, उनकी गहरी मजहबी सोच को दर्शा रही है। जिसमें वह हर स्त्री को भले ही वह उनके विचारों से मेल खाती हो या नहीं, उनके मजहब की हो या नहीं, सभी को एक विशेष लिवाज में ढंकने की उनकी विशेष मजहबी सोच का परिचायक है। देशभर से इस्लामिक कन्वर्जन के मामले इन दिनों सामने आ तो रहे ही हैं। किसी का लक्ष्य 2030 का है तो किसी का 2047 और किसी का 2050 तक भारत को गजबा-ए-हिंद जिसमें भारत पर इस्लाम का शासन और शरिया कानून होगा, बना देने का है। वैसे भी ये मौलाना अपने दिए गए पहले विवादास्पद वक्तव्य में अपनी मंशा व्यक्त कर ही चुके हैं कि कि कोई कानून शरीयत से ऊपर नहीं है। वास्तव में यहां मौलाना रशीदी को समझना होगा कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी संविधान द्वारा संरक्षित है, लेकिन वह पूर्ण नहीं है। यह अन्य नागरिकों की गरिमा, सामाजिक व्यवस्था और सार्वजनिक शांति की शर्तों पर टिकी है। जब कोई धार्मिक नेता किसी महिला के वस्त्र पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करता है; वह भी संसद की सदस्य पर, तो यह न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर हमला है, बल्कि उस लोकतंत्र के चेहरे पर भी एक तमाचा है, जिसकी नींव समानता और गरिमा पर टिकी है, जिसका कि एक सांसद प्रतिनिधित्व करता है। देखा जाए तो मौलाना साजिद रशीदी के कथन पर आज सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं, क्योंकि मुस्लिम समुदाय के भीतर से भी रशीदी की बयानबाजी के खिलाफ एक संगठित वैचारिक असहमति नहीं दिखती। यह न केवल धार्मिक नेतृत्व की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाता है, बल्कि पूरे समुदाय की छवि पर भी असर डालता है। कायदे से अब होना यह चाहिए कि सभी इस्लामिक मजहबी समूह मौलाना रशीदी के ऐसे वक्तव्यों की खुली निंदा करें। इससे यह स्पष्ट होगा कि उनके व्यक्त विचार पूरी कौम का प्रतिनिधित्व नहीं करते। आज मौलाना साजिद रशीदी जैसे व्यक्तित्व हमें याद दिलाते हैं कि शब्दों का आतंक भी हथियार की तरह घातक हो सकता है। वो शब्द ही तो हैं जो भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं। वे शब्द ही तो हैं, जो किसी को भी पानी-पानी कर देते हैं। वे शब्द ही तो हैं जो उत्साह से भरते और किसी में विद्रोह की आग जला देते हैं और वे शब्द ही हैं जो मंत्र बनकर कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसी शब्द संरचना में इन मौलाना का कहा वो शब्द भी है जिसका कि जिक्र तक सार्वजनिक रूप से नहीं किया जा सकता। वास्तव में ये शब्दों की ही ताकत है कि एक शब्द बोला कि सामने वाले का सम्मान या तिरस्कार हो गया। कभी नूपुर शर्मा के एक शब्द बोले जाने पर देशभर में नहीं दुनिया के तमाम देशों से आक्रोश व्यक्त किया गया था जबकि वह तो वही कह रही थीं जोकि संबंधित इस्लाम के मजहबी ग्रंथों में लिखा है, लेकिन टीवी डिबेट में उनको किताब में लिखे का जिक्र उनके लिए नहीं पूरे देश के लिए भारी पड़ गया, कुछ लोगों की जान तक ले ली गई। नूपुर शर्मा अब तक उस मामले से बाहर नहीं निकल पाई हैं।

बीबिपुरः एक गांव की कहानी, जो अब किताबों में पढ़ाई जाएगी

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा का बीबिपुर गांव अब देशभर के छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। सीबीएसई बोर्ड ने इसकी सामाजिक क्रांति की कहानी कक्षा आठवीं के पाठ्यक्रम में शामिल की है। 'बेटी के नाम नेमप्लेट', 'लाडो सरोवर', खुले में शौच से मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रयासों ने इसे एक मॉडल गांव बनाया। पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा के नेतृत्व में यह गांव सोच और समाज दोनों बदलने में सफल रहा। बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए एक आशा की किरण और बदलाव का प्रतीक बन चुका है। कभी एक सामान्य-सा गांव और आज देशभर के बच्चों के लिए प्रेरणा- हरियाणा का बीबिपुर गांव अब सिर्फ नक्शे पर मौजूद एक बिंदु नहीं रहा, बल्कि सामाजिक बदलाव और विकास का जीवंत प्रतीक बन चुका है। इतना ही नहीं, अब बीबिपुर गांव की यह अनूठी कहानी कक्षा आठवीं के छात्रों को भी पढ़ाई जाएगी। ICSE बोर्ड ने इसे अपने सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। यह न केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, बल्कि पूरे ग्रामीण भारत के लिए एक संदेश भी है-परिवर्तन संभव है, अगर सोच बदले।

बदलाव की शुरुआतः एक बीज से विशाल वटवृक्षबीबिपुर गांव, हरियाणा के जींद जिले में स्थित है। यह वही राज्य है, जहां लिंगानुपात के असंतुलन, बाल विवाह और सामाजिक भेदभाव जैसे मुद्दे दशकों तक चर्चा का विषय रहे हैं। लेकिन इसी हरियाणा की मिट्टी से उभरा बीबिपुर, जिसने इन सभी धारणाओं को तोड़कर नई मिसाल कायम की। वर्ष 2010 में गांव के पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा ने एक ऐसी पहल की शुरुआत की, जो आगे चलकर सामाजिक क्रांति में बदल गई। उनका सपना था — एक ऐसा गांव, जहां बेटी को सम्मान मिले, जल-संरक्षण हो, महिलाएं सशक्त हों, और समाज खुले में शौच से मुक्त हो। नेमप्लेट पर 'लाडो' का नामबीबिपुर गांव की सबसे चर्चित और क्रांतिकारी पहल रही- "बेटी के नाम नेमप्लेट"। यह विचार बेहद सरल, मगर सामाजिक रूप से बेहद प्रभावशाली था। आज तक अधिकांश घरों की पहचान पुरुष सदस्य के नाम से होती थी, लेकिन बीबिपुर में घरों की पहचान बेटियों के नाम से शुरू हुई। इस पहल ने सिर्फ एक संकेत बदला नहीं, बल्कि सोच बदल दी। बेटियों को घर का गौरव मानने की दिशा में यह पहला साहसी कदम था। गांव के सैकड़ों घरों में बेटियों के नाम की तख्तियां लगीं और एक नई सामाजिक चेतना जागी।

लाडो सरोवरः बेटियों के नाम जल-स्त्रोतगांव में 'लाडो सरोवर' की स्थापना सिर्फ जल संचयन का प्रयास नहीं था, बल्कि यह उस सोच का सम्मान था जो बेटियों को प्रकृति के साथ जोड़ती है। यह एक प्रतीक बन गया- जीवन देने वाले जल और जीवन की जननी 'बेटी' के बीच के अटूट संबंध का। लाडो सरोवर ने गांव को पर्यावरणीय जागरूकता की राह पर भी अग्रसर किया और जल संरक्षण की प्रेरणा दी। खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छता की अलखबीबिपुर की सबसे बड़ी जीत उस समय मानी गई जब उसने खुले में शौच से पूरी तरह मुक्ति पा ली। शौचालय निर्माण को प्राथमिकता दी गई और इसके पीछे शर्म नहीं, स्वास्थ्य और गरिमा की भावना को रखा गया। महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान मिला, बच्चों को बीमारियों से राहत, और गांव को नई पहचान। 'सोच बदली तो गांव बदला'प्रह्लाद डांगरा और उनकी टीम ने एक नारा दिया- "सोच बदली तो गांव बदला"। यह नारा महज शब्दों की जुगलबंदी नहीं थी, यह हर बीबिपुरवासी के दिल की आवाज थी। पुरुषों की मानसिकता में बदलाव आया, महिलाओं को निर्णय लेने का अधिकार मिला, बेटियों को शिक्षा और सम्मान मिला, और गांव की तस्वीर बदलने लगी। महिला पंचायतें और जागरूकता कार्यक्रम गांव में महिला ग्राम सभाओं का आयोजन हुआ, जहां महिलाएं खुलकर अपनी समस्याएं और सुझाव रखती थीं। यह लोकतंत्र का सच्चा रूप था, जिसमें आधी आबादी भी पूरी भागीदारी निभा रही थी। शराबबंदी, दहेज, बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर खुलकर बहसें हुईं और समाधान निकाले गए। राष्ट्रीय स्तर पर पहचानबीबिपुर की इस सामाजिक जागरूकता की लहर ने जल्द ही मीडिया, प्रशासन और विभिन्न सामाजिक संगठनों का ध्यान खींचा। इस गांव को कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कार मिले। कई एनजीओ ने यहां मॉडल के रूप में अध्ययन शुरू किया। गांव के बदलाव को डॉक्यूमेंट्रीज़ और शोध-पत्रों में दर्ज किया गया।

अब किताबों मेंः प्रेरणा का स्थायी स्थानआज जब सीबीएसई बोर्ड ने बीबिपुर गांव की इस कहानी को कक्षा आठवीं की किताब में शामिल किया है, तो यह किसी पुरस्कार से कम नहीं। यह कहानी अब देशभर के लाखों छात्र-छात्राओं को पढ़ाई जाएगी। वे जानेंगे कि बदलाव के लिए बड़े-बड़े भाषण या योजनाएं जरूरी नहीं होतीं — बस एक व्यक्ति की दृढ़ इच्छा शक्ति और सामाजिक भागीदारी ही काफी होती है। यह न केवल छात्रों को सामाजिक विज्ञान का पाठ पढ़ाएगी, बल्कि "समाज विज्ञान" का असली अर्थ भी समझाएगी। शिक्षा से बदलाव की वापसीबीबिपुर की कहानी बच्चों को यह सिखाएगी कि गांव का विकास केवल सड़क या इमारतों से नहीं होता, बल्कि विचारों से होता है। यह पाठ छात्रों में सामाजिक नेतृत्व, नागरिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच का बीज बोएगा। और यही तो शिक्षा का अंतिम उद्देश्य होता है- सोच में परिवर्तन। क्या बाकी गांव सीखेंगे?बीबिपुर एक मॉडल है, परंतु यह अकेला नहीं होना चाहिए। आज देश के हजारों गांव सामाजिक कुरीतियों से जूझ रहे हैं। कहीं बेटियों की भ्रूण हत्या हो रही है, कहीं खुले में शौच आज भी आम है, कहीं शिक्षा का स्तर बेहद कमजोर है। ऐसे में बीबिपुर की कहानी एक आदर्श प्रस्तुत करती है — अगर वे कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? सरकारों को चाहिए कि ऐसे उदाहरणों को पाठ्यक्रम से आगे ले जाकर नीति-निर्माण का आधार बनाए। पंचायतों को प्रशिक्षित किया जाए, महिला नेतृत्व को बढ़ावा मिले, और गांवों में मूलभूत बदलाव लाने के लिए ऐसे मॉडल को स्थानीय भाषाओं में प्रचारित किया जाए। बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, एक विचार हैबीबिपुर की सफलता की असली कुंजी सहभागिता, जागरूकता और नेतृत्व है। यह गांव बताता है कि असल क्रांति हथियारों से नहीं, सोच की धार से आती है। यह कहानी यह भी बताती है कि कोई गांव छोटा नहीं होता, अगर उसकी सोच बड़ी हो। आज जब बीबिपुर की कहानी स्कूलों में पढ़ाई जाएगी, तो वह सिर्फ एक पाठ नहीं होगी, बल्कि सपनों के बीज बोने वाली प्रेरणा होगी। हो सकता है, किसी बच्चे के मन में यह कहानी एक चिंगारी जला दे, जो कल किसी और गांव को रोशन कर दे। बीबिपुर अब सिर्फ एक स्थान नहीं, एक आंदोलन, एक प्रेरणा और एक जीवित पाठशाला है- जहां से देश को नई दिशा मिलेगी।

सावन का महीना, शिव मंदिर और दो देशों के बीच तांडव

हरीश शिवनानी

सावन का महीना भारत में सनातनी संस्कृति-धर्मावलंबियों के लिए पावन और महत्वपूर्ण माना जाता है। पूरे देश में शिव मंदिरों में महीने भर पूजा-अर्चना के कार्यक्रम चलते रहते हैं। इस बार सावन का महीना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट कारण से चर्चा में आ गया है। इस सावन माह में दो बौद्ध देशों के बीच सशस्त्र तांडव छिड़ गया है। इसका कारण हैं दो शिव मंदिर। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर स्थित प्रासात प्रेह विहियार और प्रासात ता मुएन थोम नामक ये शिव मंदिर करीब एक हजार वर्ष प्राचीन हैं। दोनों देश बौद्ध बहुल हैं, लेकिन मंदिर की हिंदू विरासत दोनों के लिए सांस्कृतिक महत्व रखती है। थाईलैंड में हिंदू परंपरा और बौद्ध धर्म का मिश्रण देखा जाता है, जबकि कंबोडिया इसे अपनी खमेर पहचान से जोड़ता है। भारत की तरह वहाँ भी सावन मास में इनका महत्व बढ़ जाता है। दो बौद्ध देशों के बीच शिव मंदिरों को लेकर संघर्ष यह पुष्ट करता है कि आज भी यहाँ के निवासियों के मन-मस्तिष्क में अपनी मूल, प्राचीन सनातन संस्कृति की जड़ों के प्रति कितना सम्मान, कितनी तृष्णा है। जो भारतवर्ष सनातन हिन्दू संस्कृति और हिन्दू सभ्यता का जन्मदाता है, वहां अपने आराध्य श्रीराम के एक मंदिर के लिए 500 वर्ष तक लम्बा संघर्ष करना पड़ा। थाईलैंड और कम्बोडिया इन शिव मंदिरों पर अपना स्वामित्व जताने के लिए सौ साल से ज्यादा संघर्षरत हैं। दोनों खमेर कालीन हिंदू मंदिर हैं, जो लगभग 153 किमी की दूरी पर स्थित हैं और लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव का केंद्र रहे हैं। प्रासात प्रेह विहियार शिव मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्र का विवाद थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक जटिल मुद्दा है। धार्मिक स्थल के साथ यह दोनों देशों की राष्ट्रीय पहचान, गौरव, ऐतिहासिक दावों और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़ा है। इस मंदिर की पांच स्तरीय चढ़ाई आत्मिक उत्थान का प्रतीक है। यह मंदिर थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर डोंगरेक पर्वत श्रृंखला में स्थित है। प्रासात प्रेह विहियार मंदिर का निर्माण 9 वीं से 11वीं शताब्दी के बीच खमेर साम्राज्य के दौरान हुआ। खमेर वास्तुशिल्प वाले इस मंदिर को खमेर राजा सूर्यवर्मन प्रथम और सूर्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बनवाया गया, जो अंगकोर वाट जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के लिए भी जाने जाते हैं। इस मंदिर को 'शिखरेश्वर' भी कहा जाता है। मंदिर में शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा स्थापित है, जो हिंदू धर्म की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है। प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की भौगोलिक स्थिति विवाद का प्रमुख कारण है। मंदिर तक पहुंच का मुख्य रास्ता थाईलैंड की ओर से है, हालांकि पूर्वी और पश्चिमी ओर से कंबोडिया के शहरों से जुड़े दो रास्ते भी हैं। कंबोडियाई स्वयं को खमेर साम्राज्य के वंशज मानते हैं और इस मंदिर को अपनी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान मानते हैं। वहीं,थाईलैंड में इसे हिंदू और बौद्ध विरासत के हिस्से के रूप में देखा जाता है, क्योंकि यह क्षेत्र पहले स्याम (थाईलैंड का पुराना नाम) के प्रभाव में था। 1863 से 1953 तक कंबोडिया फ्रांसीसी उपनिवेश के अधीन था। 1907 में फ्रांस और स्याम (थाईलैंड) के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें डोंगरेक पर्वत क्षेत्र और प्रासात प्रेह विहियार मंदिर को कंबोडिया के हिस्से के रूप में चिह्नित किया गया। जिसे थाईलैंड ने स्वीकार नहीं किया। इस सीमा निर्धारण ने विवाद की नींव रखी, क्योंकि थाईलैंड का दावा था कि मंदिर और इसके आसपास का क्षेत्र उनके सुरीन और सिसाकेट प्रांतों का

हिस्सा है। वर्ष 1959 में कंबोडिया विवाद को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ले गया। 1962 में न्यायालय ने मंदिर कंबोडिया के क्षेत्र में माना। थाईलैंड ने फैसले को स्वीकार नहीं किया। जुलाई 2008 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर का दर्जा दिया, जिसका भी थाईलैंड ने विरोध किया। इसके बाद सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ गया और 2008 से 2011 तक दोनों देशों के सैनिकों के बीच कई झड़पें हुईं। 2011 में यह संघर्ष चरम पर पहुंचा, जिसमें 36,000 लोग विस्थापित हुए और कम से कम 28 लोग मारे गए। उधर, प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की तरह ही प्रासात ता मुएन थोम प्राचीन मंदिर भी विवाद का बिंदु है। प्रासात ता मुएन थोम की खास बात यह है कि इसका शिवलिंग प्राकृतिक चट्टान से बना है और 'स्वयंभू शिवलिंग' की तरह पूजा जाता है। थाईलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओडार मींचेई प्रांत की सीमा पर प्यह मंदिर 12वीं शताब्दी में खमेर सम्राट उदयादित्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बना। प्रासात ता मुएन थोम मंदिर को लेकर तनाव 13 फरवरी 2025 से शुरू हुआ। जब कंबोडियाई सैनिकों ने मंदिर में जाकर अपना राष्ट्रगान गाया, जिसे थाई सैनिकों ने सीमा उल्लंघन माना और विवाद शुरू हो गया। इसके बाद 28 मई 25 में एमराल्ड ट्रायंगल क्षेत्र में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत के बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव बढ़ गया। इस घटना के बाद एक रोचक वाकया हुआ। 28 मई को हुए टकराव के बाद तनाव कम करने के उद्देश्य से थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के साथ फोन पर बातचीत की। जिसमें पैतोंगटार्न ने थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद पर चर्चा की। इस बातचीत में उन्होंने कथित तौर पर थाई सेना के कमांडर की आलोचना की और हुन सेन को 'अंकल' कहकर संबोधित किया। इस बात को थाईलैंड में अपमानजनक और 'राष्ट्र के सम्मान' के विरुद्ध मानते हुए इसे प्रधानमंत्री पद की नैतिकता का उल्लंघन माना गया और 1 जुलाई को थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को निलंबित कर दिया। इसके बाद 23 जुलाई को एक थाई सैनिक लैंडमाइन की चपेट में आ गया और अब विवाद सीधे सैन्य संघर्ष में बदल गया और 24 जुलाई से थाईलैंड और कंबोडिया टैंकों, तोपों, राकेटों और फौजों को साथ लेकर युद्ध मैदान में आ गए हैं। राकेट वार शुरू हो गई है। एक दूसरे पर बम बरसाए जा रहे हैं, सेनाएं आमने सामने मोर्चा संभाले खड़ी हैं। अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है, करीब डेढ़ लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको बिजनेस में बड़ा लाभ होगा, खासकर जिनका इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस है। इस राशि के लेखकों को किसी संस्था के द्वारा सम्मानित किया जा सकता है। जीवन साथी के साथ किसी विशेष बात को लेकर चर्चा हो सकती है, जो आपके कंफ्यूजन को दूर करेगी। बच्चे आज खेल–कूद की गतिविधियों में शामिल होंगे, जिससे उनका शारीरिक विकास अच्छे से होगा।

वृष राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप परिवार के साथ टाइम स्पेंड करेंगे जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। आज आप किसी काम को नए सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे जिससे आपके कार्य समय से पूरे होते चले जायेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप कार्यस्थल पर कुछ बदलाव कर सकते हैं, इससे आपको फायदा होगा। परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहेगा, आप उनके साथ कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते है। प्राइवेट ऑफिस में कार्यरत व्यक्तियों को उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, आप कोई भी अवसर हाथ से ना जाने दें। आज स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हुए व्यक्तियों के लिए आज का दिन उत्तम रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा आर्डर मिल सकता है, आप इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएं। आज आप परिवार की उलझनों को सुलझाने में किसी रिश्तेदार की मदद लें सकते है। आज छात्रों के लिए दिन ठीक है, पढ़ाई में आ रही बाधाएं किसी की मदद से दूर हो सकती है। आज लवमेट एक-दूसरे का खास ख्याल रखेंगे, जिससे उनका रिश्ता खूबसूरत बनेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज सोने-चाँदी के व्यापारियों को बढ़िया लाभ होगा, घर में सुख–सुविधा की बढ़ोतरी होगी। आज आप खुद को रिलैक्स फील करेंगे और घर का माहौल बेहतर बना रहेगा। आज काम के मामले में कोई व्यक्ति आपसे सलाह मांग सकते हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज दिन की शुरुआत आप किसी अच्छी आदत के साथ करेंगे, ये आपकी हेल्थ के लिए फायेदेमंद रहेगी। आज रोजमर्रा के काम पूरे हो सकते हैं, आस-पास के व्यक्ति आपके व्यवहार की तारीफ करेंगे। आज आप कोई महत्वपूर्ण काम समय से पहले निपटा लेंगे, सीनियर आपके काम की तारीफ करेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होगा, आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे। अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक से आपको किसी काम के लिए बाहर भेजा जा सकता है। आज आपके दाम्पत्य जीवन में खुशियाँ आयेंगी, संतान पक्ष से आपको शुभ समाचार प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशिःआज का दिन जीवन में एक नई खुशी का संकेत लायेगा। आज रोजगार में आपको नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर प्राप्त होगा। आज रिश्तों और काम के बीच तालमेल बना रहेगा। आज आप आर्थिक रूप से स्ट्रांग रहेंगे, इंजीनियर्स को आज बड़ा फायदा होगा। आज बच्चों के साथ शॉपिंग करने मॉल जा सकते हैं, उन्हें काफी अच्छा लगेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और आपका काम समय पर पूरा होगा। आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। आज आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद रहेगी। आज स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर कुछ बदलाव कर सकते हैं और अपने कठिन विषयों को समझने के लिये किसी की मदद लेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज व्यापारिक दृष्टि से लाभ होगा, लेकिन आप अपने क्लाइंट के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाकर रखें। किसी काम में माता-पिता की सलाह फायदेमंद साबित होगी। इस राशि के स्पोर्ट्स से जुड़े लोग किसी नई एक्टिविटी में भाग ले सकते हैं। आज आप अपने करियर के बारे में सोच-विचार करेंगे, आप दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज ऑफिस में आपको कुछ ऐसा काम दिया जायेगा, जिसे आप आसानी से पूरा कर लेंगे। आज आपसे किसी मामले में एक्सपर्ट के तौर पर सलाह ली जा सकती है। इस राशि के बिजनेसमैन को काम में कुछ नए अनुभव मिलेंगे और काम भी बेहतर ढंग से चलेगा। आज आपको इनकम के नए स्रोत प्राप्त होंगे।

मीन राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज कुछ मामलों में आप घर के बड़ों की सहायता ले सकते हैं। इस राशि के बच्चे किसी ड्राइंग कॉम्पिटिशन में भाग ले सकते हैं। आज लम्बे समय बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर आपकी पुरानी यादें तरोताजा होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराया, सीरीज 5-0 से जीती

बासेटेर (सेंट्स किट्स)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच मंगलवार को जीतकर सीरीज 5-0 से क्लीन स्वीप कर ली। गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस (3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी और बाद में मिडिल ऑर्डर की दमदार बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 3 ओवर बाकी रहते हुए 3 विकेट से जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 171 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और टीम ने 25 रन पर 3 विकेट और 60 पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कैमरन ग्रीन (32 रन), टिम डेविड (12 गेंद में 30 रन, 4 छक्के, 1 चौका) और मिशेल ओवेन (37 रन) ने पारी को संभाला। जब ग्रीन आउट हुए, तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 141-6 था और उसे अभी 30 रन की जरूरत थी। हालांकि, आरोन हार्डी ने 28 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा, "सीरीज शुरू होने से पहले 5-0 की उम्मीद नहीं थी, लेकिन हमने बेहतरीन क्रिकेट खेला।" वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने हार की वजह बल्लेबाजी को बताया। उन्होंने कहा, "हमने कभी भी पूरी तरह सटीक बल्लेबाजी प्रदर्शन नहीं किया — या तो अच्छी शुरुआत मिली और अंत खराब रहा, या फिर इसके उलट हुआ। इतने मजबूत विपक्ष के सामने आप इस तरह जीत नहीं सकते।"

ड्वार्शुइस की फिरकी में फंसे कैरेबियाई बल्लेबाज- ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। बेन ड्वार्शुइस ने चौथे ओवर में ब्रैंडन किंग (11) और कप्तान शाई होप (9) को आउट कर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद वेस्टइंडीज का स्कोर 64-4 हो गया था। यहां से शिमरोन हेटमायर ने संघर्ष करते हुए 31 गेंदों में 52 रन बनाए जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे। ऐसा लग रहा था कि हेटमायर टीम को एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक ले जाएंगे, लेकिन ड्वार्शुइस ने धीमी बाउंसर पर उन्हें लंबा शॉट खेलने को मजबूर किया और शॉन एबॉट ने लॉन्ग-ऑफ पर कैच लपक लिया। हेटमायर के आउट होने के बाद वेस्टइंडीज 19.4 ओवर तक 170 पर सिमट गई। मैच के 'प्लेयर ऑफ द मैच' ड्वार्शुइस ने कहा, "पिच थोड़ी धीमी थी, इसलिए हमने हार्ड लेंथ और स्लोअर बॉल का अच्छा इस्तेमाल किया।" ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भी वेस्टइंडीज का 3-0 से सफाया किया था। इस तरह उन्होंने पूरे दौरे पर आठों मैच जीतकर एकतरफा दबदबा कायम रखा।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंगः स्किवर-ब्रंट दोबारा बनीं नंबर-1, हरमनप्रीत, जेमिमा को भी फायदा

नई दिल्ली। इंग्लैंड की कप्तान नट स्किवर-ब्रंट ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के निर्णायक मुकाबले में 98 रनों की अहम पारी खेलने के बाद आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान दोबारा हासिल कर लिया है। डरहम में खेले गए तीसरे मैच में इंग्लैंड भले ही 13 रन से हार गई और भारत ने सीरीज 2-1 से जीत ली, लेकिन स्किवर-ब्रंट की पारी ने उन्हें स्मृति मंधाना से तीन अंकों की बढ़त दिलाते हुए तीसरी बार करियर में नंबर-1 पोजीशन पर पहुंचा दिया। इससे पहले वह जुलाई 2023 से अप्रैल 2024 और जून से दिसंबर 2024 तक टॉप पर रह चुकी हैं।

हरमनप्रीत और जेमिमा को भी मिला इनाम- भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर, जिन्होंने निर्णायक मुकाबले में 84 गेंदों पर 102 रन की मैच जिताऊ पारी खेली, वह रैंकिंग में 10 स्थान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उनकी साथी खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंची हैं, जबकि विकेटकीपर ऋचा घोष नौ पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर आ गई हैं और अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 516 रेटिंग तक पहुंची हैं।

आयरलैंड की ओरला प्रेंडरगास्ट ने मारी बड़ी छलांग- आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच खेली गई दो मैचों की वनडे सीरीज में आयरलैंड की ओरला प्रेंडरगास्ट 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुनी गईं। उन्होंने 50 और 67 रन की पारियां खेली और रैंकिंग में 12 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंचीं, जो उनका करियर का सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने गेंदबाजी में भी कमाल किया और पहले मैच में 20 रन देकर दो विकेट झटके। इसके दम पर वह गेंदबाजी रैंकिंग में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर आ गईं और ऑलराउंडर की सूची में 13वें से सीधे 10वें स्थान पर पहुंच गईं। आयरलैंड की कप्तान गेबी लुईस एक स्थान ऊपर चढ़कर अब 17वें स्थान पर हैं। वहीं, एमी हंटर दो पायदान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर पहुंच गई हैं। जिम्बाब्वे की कप्तान चिपो मुगेरी-तिरिपानो की 48 और 56 रनों की पारियों ने उन्हें 40वें स्थान और 513 रेटिंग अंकों तक पहुंचाया है। उनकी साथी मोडेस्टर मुपाचिवाना दो पायदान ऊपर 53वें स्थान पर आ गई हैं।

टी20 रैंकिंग में भी आयरलैंड का दबदबा- डबलिन में खेले गए टी20 सीरीज के दूसरे और तीसरे मुकाबले के नतीजे भी इस रैंकिंग अपडेट में शामिल किए गए हैं। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को टी20 सीरीज में भी क्लीन स्वीप किया। गेबी लुईस ने दो मैचों में 67 और 87 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत की जेमिमा के साथ संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गईं। गेंदबाजी में कारा मरे ने तीन-तीन विकेट झटककर तीन स्थान की छलांग लगाई और 45वें स्थान पर पहुंच गईं। वे सात विकेटों के साथ सीरीज की टॉप विकेटटेकर रहीं।

अंतिम टेस्ट में ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ सकते है शुभमन

लंदन। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल अब तक इंग्लैंड दौरे पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन ने हर मैच में एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब उनके पास ओवल में 31 जुलाई से शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक और रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। शुभमन ने इस सीरीज में अबतक चार शतक लगाने के साथ ही 700 से अधिक रन बनाये हैं। अब उन्हें एक सीरीज में सबसे अधिक रनों का ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल 89 रनों की जरुरत है। शुभमन ने अब तक इस सीरीज में 722 रन बनाये हैं। वहीं ब्रैडमैन ने 88 साल पहले साल 1936/37 की एशेज सीरीज में 810 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान 89 बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में 811 रन बनाने वाले पहले कप्तान बन जाएंगे। ऐसे में शुभमन जब ओवल में खेलने के लिए उतरेंगे तो उनकी नजरें ब्रैडमैन से आगे निकलने पर रहेंगी। जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने तक किया है। उसको देखते हुए क्रिकेट प्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि शुभमन सबसे अधिक रनों का रिकार्ड आसानी से बना देंगे। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक सिर्फ पांच कप्तान ऐसे रहे हैं जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में 722 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

महिला कोपा अमेरिकाः पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को हराकर कोलंबिया फाइनल में

क्विटो। कोलंबिया की महिला फुटबॉल टीम ने सोमवार को खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही टीम ने 2028 लॉस एंजेलेस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम में मुकाबला 0-0 की बराबरी पर छूटा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। कोलंबियाई गोलकीपर कैथरीन तापिया ने अर्जेंटीना की पॉलिना ग्रामालिया का शॉट रोककर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके बाद मायरा रामिरेज़ का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया और अर्जेंटीना को वापसी का मौका मिल गया। कोलंबिया की वेंडी बोनिला ने छठा पेनल्टी किक गोल में बदलकर दबाव अर्जेंटीना पर डाल दिया। अर्जेंटीना की एलिआना स्टैबिल गोल करने में नाकाम रहीं और उनका शॉट बार से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मैच के बाद गोलकीपर तापिया ने कहा, "हम फाइनल में हैं और ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है, यही हमारा लक्ष्य था। अब हम फाइनल के लिए तैयार हैं।" अर्जेंटीना ने शुरुआत में आक्रामक खेल दिखाया। फ्लोरेनसिया बॉनसेगुंडो और यामिला रोड्रिगेज ने कोलंबियाई डिफेंस पर दबाव बनाया, लेकिन तापिया ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से खेल की लय थोड़ी बाधित हुई। कोलंबिया की ओर से रामिरेज, लेइसी सैंटोस और लिंडा कैसेडो ने गोल के अवसर बनाए, लेकिन उन्हें भुनाया नहीं जा सका। दूसरे हाफ में कोलंबिया ने दबाव और बढ़ाया और वैलेरिन लोबोआ का एक शॉट लगभग गोल में तब्दील होता दिखा, लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने शानदार बचाव कर मैच को बराबरी पर बनाए रखा। इस मैच में पहली बार टूर्नामेंट में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) तकनीक का इस्तेमाल किया गया। यह तकनीक केवल नॉकआउट मुकाबलों के लिए उपलब्ध है।

गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा , अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करें

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में 31 जुलाई से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवे टेस्ट मैच से पहले टीम का उत्साह बढ़ाते हुए कहा है कि हमारे पास सीरीज में बराबरी का अंतिम मौक है जिसका लाभ हमें उठाना है। गंभीर ने चौथे टेस्ट में टीम के शानदार प्रदर्शन की जमकर सराहना भी की। मैनचेस्ट में चौथे टेस्ट के अंतिम दिन रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शतक लगाकर भारतीय टीम को हार से बचा लिया था। पांचवां टेस्ट खेलेंगे, से पहले भारतीय टीम ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग पहुंची। इस दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात हुई। इसमें सभी ने उन्हें मिले समर्थन के लिए आभार जताया। गंभीर ने इस कार्यक्रम में भारत-इंग्लैंड मुकाबलों के ऐतिहासिक महत्व को भी बताया। गंभीर ने कहा, इंग्लैंड का दौरा हमेशा ही रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा है। दोनों देशों के बीच का क्रिकेट इतिहास बेहद अहम है। हमें हर बार ब्रिटेन दौरे पर आपार समर्थन मिला है। इंग्लैंड ने इस सीरीज का पहला मैच पांच विकेट से जीता था, जिसके बाद भारतीय टीम ने दूसरे मुकाबले को 336 रन से जीता।

व्यापार

तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटे खरीदार, सेंसेक्स और निफ्टी की रिकवरी

नई दिल्ली। लगातार 3 कारोबारी दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। पहले सत्र में शेयर बाजार पर ज्यादातर समय दबाव बना रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद स्थिति बदल गई। दिन के दूसरे सत्र में खरीदार पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए, जिसकी वजह से शेयर बाजार निचले स्तर से जोरदार रिकवरी करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और ऑटोमोबाइल सेक्टर में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह रियल्टी, एनर्जी, मेटल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.10 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 451.50 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 447.87 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.63 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,157 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,482 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,521 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 154 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,660 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,744 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 916 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 270.77 अंक की कमजोरी के साथ 80,620.25 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले घंटे की ट्रेडिंग में लिवालों और बिकवालों की खींचतान के कारण ये सूचकांक लगातार ऊपर नीचे होते रहा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स 315.57 अंक लुढ़क कर 80,575.45 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 850 अंक से अधिक उछल कर 538.86 अंक की मजबूती के साथ 81,429.88 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 90 अंक फिसल कर 446.93 अंक की बढ़त के साथ 81,337.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 71.25 अंक टूट कर 24,609.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई। शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद बाजार पर मंदड़िये हावी होते हुए नजर आने लगे। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 82.30 अंक की कमजोरी के साथ 24,598.60 अंक तक गिर गया। दोपहर 12 बजे तक दबाव का सामना करने के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी। खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 245 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 166.25 अंक की मजबूती के साथ 24,847.15 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 26.05 अंक फिसल कर 140.20 अंक की तेजी के साथ 24,821.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से जियो फाइनेंशियल 4.47 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 2.14 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.13 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 1.78 प्रतिशत और आयशर मोटर्स 1.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 0.92 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 0.88 प्रतिशत, टीसीएस 0.76 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 0.64 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। लगातार पांच दिनों की गिरावट के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण आज भी देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये से लेकर 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज सोमवार के भाव 91,590 रुपये से लेकर 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत 25 अगस्त को, अमेरिकी टीम आएगी भारत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम 25 अगस्त को भारत आएगी। इस वार्ता में भारत के दृष्टिकोण से अतिरिक्त 26 फीसदी टैरिफ हटाने और स्टील, एल्युमीनियम तथा ऑटोमोबाइल क्षेत्र पर टैरिफ में ढील देना प्राथमिकता होगी। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता पर बातचीत का पिछला दौर वाशिंगटन में हुआ था, जहां भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने विस्तृत चर्चा की थी। ये बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों पक्ष 1 अगस्त की समय सीमा से पहले अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क रियायतें देने के ख़िलाफ़ कड़ा रुख़ अपनाया है, जिसकी अमेरिका सक्रिय रूप से मांग कर रहा है। घरेलू किसान संघों ने भी इस रुख़ को मज़बूत किया है, जिन्होंने सरकार से व्यापार समझौते से कृषि संबंधी मुद्दों को बाहर रखने का आग्रह किया है। ऐसे में जैसे-जैसे समय सीमा नजदीक आ रही है, दोनों देश टैरिफ और शुल्क रियायतों से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए उत्सुक हैं। दोनों देश इस साल सितंबर-अक्टूबर तक व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

डीकेथलॉन ने 'मेड इन इंडिया' पहल को दी मजबूती, अगले पांच साल में तीन अरब डॉलर सोर्सिंग का लक्ष्य

नई दिल्ली। वैश्विक बहु-विशिष्ट खेल विक्रेता ब्रांड डीकेथलॉन ने मंगलवार को कहा कि वह 2030 तक अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत से माल की आपूर्ति को बढ़ाकर 3 अरब यूएस डॉलर करने का रणनीतिक लक्ष्य रखा है। कंपनी ने भारत में उत्पादन के 25 साल पूरे होने के अवसर पर ये ऐलान किया। डीकेथलॉन इंडिया के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर शंकर चटर्जी ने यहां के होटल ले मेरिडियन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पिछले 25 वर्षों में भारत में उत्पादन ही कंपनी की सफलता की रीढ़ रहा है। डीकेथलॉन पिछले 25 वर्षों से भारत से सामान खरीद रहा है। उन्होंने कहा कि अपने "मेक इन इंडिया" विजन और घरेलू तथा वैश्विक दोनों बाजारों में अपनी सेवाएं देने के लिए स्थानीय उत्पादन क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसका लक्ष्य लोगों को खेल के चमत्कारों से परिचित कराना, उन्हें एक स्थायी और खुशहाल जीवन जीने में मदद करना है। उन्होंने कहा कि डीकेथलॉन 2030 तक अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत से माल की आपूर्ति बढ़ाकर 3 अरब अमेरिकी डॉलर कर देगा। ये लक्ष्य घरेलू एवं वैश्विक बाजारों में आपूर्ति के लिए 'मेक इन इंडिया' विजन के प्रति कंपनी की गहरी प्रतिबद्धता और लोकल प्रोडक्शन (स्थानीय स्तर पर उत्पादन) पर कंपनी के फोकस को दर्शाता है। चटर्जी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर डीकेथलॉन की सोर्सिंग में भारत की हिस्सेदारी अभी 8 फीसदी है, जिसे कंपनी ने 2030 तक 15 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। भारतीय उपभोक्ताओं एवं वैश्विक बाजारों की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई फुटवियर, फिटनेस इक्विपमेंट और टेक्निकल टेक्सटाइल्स जैसी ज्यादा संभावनाओं वाली श्रेणियों पर फोकस करते हुए विकास के इस लक्ष्य को प्राप्त करना संभव होगा। भारत में उत्पादन के 25 साल पूरे होने के मौके पर चटर्जी ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में भारत में उत्पादन ही डीकेथलॉन की सफलता की रीढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि हमारे लोकल प्रोडक्शन इकोसिस्टम की उच्च गुणवत्ता, विश्वसनीयता और दृढ़ता ने रिटेल सेक्टर में हमें विस्तार करने में सक्षम बनाया और हम सिटी सेंटर से लेकर मॉल एवं अन्य जगहों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि हमारे पास भारत में तैयार उत्पादों का व्यापक पार्टफोलियो है, जिनसे भारत में स्पोर्ट्स यूजर्स की बदलती जरूरतों को पूरा करना संभव हुआ है। चटर्जी ने कहा कि हम ऑफलाइन एवं कई प्लेटफॉर्म्स पर अपनी मौजूदगी बढ़ा रहे हैं और ऐसे में उत्पादन के मामले में उत्कृष्टता (प्रोडक्शन एक्सीलेंस) हमारी रणनीति के केंद्र में है। इससे पर्यावरण के अनुकूल कारोबार को ताकत मिल रही है और हर भारतीय के लिए खेलों तक पहुंच सुगम हो रही है। घरेलू स्तर पर डीकैथलॉन की मैन्यूफैक्चरिंग मजबूत स्थिति में है। 2025 में भारत में 70 फीसदी से ज्यादा मेड इन इंडिया उत्पादों की बिक्री हुई। अब 2030 तक इसके 90 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। इससे लोकल सोर्सिंग स्ट्रेटजी पर ब्रांड के फोकस को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि ये विकास डीकेथलॉन के मजबूत लोकल प्रोडक्शन इकोसिस्टम के दम पर संभव हुआ है। इसमें भारत में इनोवेशन एवं किफायती उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत डिजाइन सेंटर, 113 मैन्यूफैक्चरिंग साइट्स, 83 सप्लायर्स एवं 7 प्रोडक्शन ऑफिस शामिल हैं। कंपनी सांस्कृतिक रूप से समाज से गहराई तक जुड़े स्पोर्ट्स जैसे योग एवं क्रिकेट पर भी फोकस बढ़ा रही है। विकास की इस यात्रा के तहत कंपनी अपने प्रोडक्शन इकोसिस्टम में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 3 लाख से ज्यादा रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर भी काम कर रही है। इससे स्थानीय स्तर पर डीकेथलॉन का प्रभाव बढ़ेगा और भविष्य के अनुकूल सप्लाई चेन एवं कच्चे माल से जुड़ी प्रारंभिक आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ होगी। कंपनी के प्रोडक्शन हेड फ्रेडरिक मर्लेवेड ने कहा कि डीकेथलॉन के ग्लोबल प्रोडक्शन इकोसिस्टम में भारत महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा है।

अहान पांडे-अनीत पड्डा की सैयारा का दबदबा कायम, बंपर कमाई से हिला डाला बॉक्स ऑफिस

अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर फिल्म सैयारा ने अपने दूसरे रविवार को बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका कर दिया है. देशभर में चर्चित फिल्म सैयारा अपनी रिलीज के 10 दिन पूरे कर चुकी है और आज 28 जुलाई को फिल्म अपने दूसरे सोमवार में एंटर कर चुकी है. फिल्म घरेलू और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर जमकर पैसा कमा रही है. सोशल मीडिया पर फिल्म सैयारा की खूब हाइप है और लोग इसे थिएटर में जाकर देख रहे हैं. फिल्म सैयारा ने 10वें दिन (दूसरे रविवार) बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया और इन 10 दिनों में फिल्म ने कुल कितनी कमाई कर ली है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 10वें दिन 30 करोड़ रुपये का कारोबार किया और इसी के साथ फिल्म ने भारत में 247.25 करोड़ रुपये कमा लिए हैं और फिल्म ने वर्ल्डवाइड 327.64 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. इसी के साथ साल 2025 की बड़ी फिल्में (गेम चेंजर, थांडरम, रेड 2, हाउसफुल 5, संक्रांतिकी वस्तुनम, एल 2- एंपुरन) को पछाड़ दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. सैयारा के सामने बस छावा (601.54 करोड़ रुपये घरेलू) और वर्ल्डवाइज (716.68 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड है, जिसे तोड़ने में सैयारा के पसीने छूट सकते हैं. मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी फिल्म सैयारा ने ऑफिशियली वर्ल्डवाइड 256 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसमें भारत में ग्रॉस कलेक्शन 212.50 करोड़ रुपये, (नेट कलेक्शन 175.25 करोड़ रुपये), ओवरसीज में 43.50 करोड़ रुपये (ग्रॉस) कमाए थे. इसी के साथ सैयारा ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर गुड बैड अगली (248.25 करोड़ रुपये), रेड 2 (237 करोड़ रुपये) , थांडरम (234.5 करोड़ रुपये) और गेम चेंजर (186 करोड़ रुपये)जैसी फिल्मों को पछाड़ दिया है. बता दें, फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर पवन कल्याण की हरि हर वीरा मल्लू, सुपरमैन, जुरासिक पाकः र् वर्ल्ड रीबर्थ, फन्टेस्टिक फोरः फर्स्ट स्टेप्स समेत कई फिल्में चल रही हैं. इन सबके बीच सैयारा की कमाई में बड़ा उछाल देखने को मिला है.

बॉर्डर 2 में मेधा राणा की एंट्री, वरुण धवन के साथ करेंगी रोमांस

आने वाले दिनों में कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनमें से एक बॉर्डर 2 भी है। इस फिल्म का खासतौर से उन दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है, जो देशभक्ति फिल्मों के शौकीन हैं। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे और अब खबर है कि इसमें अभिनेत्र मेधा राणा की एंट्री भी हो गई है, जो इसमें वरुण की जोड़ीदार बनने वाली हैं। आइए जानते हैं कौन हैं मेधा राणा। रिपोर्ट के मुताबिक, वरुण की हीरोइन की तलाश काफी समय से चल रही थी, जो अब आखिरकार मेधा पर आकर यह खत्म हुई है। उन्हें फिल्म में साइन कर लिया गया है। वह फिल्म में वरुण की प्रेमिका का किरदार निभाने वाली हैं। बता दें कि मेधा के लिए यह बेशक एक बड़ा मौका है खुद को साबित करने का। इससे पहले वह शांतनु माहेश्वरी के साथ एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज इश्क इन द एयर में दिखी थीं। निर्माता भूषण कुमार बोले, मेधा एक सैन्य परिवार से हैं और क्षेत्रीय बोली पर उनकी गजब की पकड़ है। हमारे लिए किसी ऐसी महिला को ढूंढना जरूरी था, जो स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र की बोली, भावना और मूल सार को अपना सके। मेधा ने न केवल अपनी प्रतिभा, बल्कि क्षेत्रीय बोली पर अपनी सहज पकड़ और एक कलाकार के रूप में अपनी भावनात्मक रेंज से भी टीम को प्रभावित किया। उनकी मौजूदगी फिल्म में अलग ही ताजगी लेकर आएगी। मेधा को बाबिल खान अभिनीत फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान में भी देखा गया था। मूल रूप से बेंगलुरु की रहने वाली मेधा गुड़गांव में पली-बढ़ीं। उनका सपना अभिनेत्री बनने का था। उन्होंने 16 साल की उम्र में मॉडल के रूप में अपना करियर शुरू किया। साल 2014 में मेधा ने बतौर मार्केटिंग इंटर्न काम किया। 2017 में उन्होंने पढ़ाना शुरू किया। इसी बीच उन्हें वूट की सीरीज लंदन फाइल्स मिल गई, जिसने उनके लिए मनोरंजन जगत के दरवाजे खोल दिए। बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह हैं। जेपी दत्ता और भूषण कुमार मिलकर इस फिल्म को बना रहे हैं। फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। निर्माताओं के मुताबिक, यह बॉर्डर का सीक्वल नहीं है,क एक बिल्कुल अलग कहानी देखने को मिलेगी। यह नए कलाकरों के साथ बनाई गई एक नई फिल्म है, जिसमें किरदार नए हैं, नया युद्ध है और सनी भी वो किरदार नहीं निभा रहे हैं, जो उन्होंने पिछली फिल्म बॉर्डर में निभाया था।

बिग बॉस 18 की एक्स कंटेस्टेंट एडिन रोज के समुद्र तट की तस्वीरें ने बढ़ा दिया इंटरनेट का पारा

एक्ट्रेस एडिन रोज ने बिग बॉस 18 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री मारी थी. इस शो में एडिन ने अपनी बोल्डनेस से लोगों का दिल जीत लिया था. लेकिन फिनाले से ही वह सलमान खान के शो से बाहर हो गई थीं. एडिन रोज सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वह अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं. अब इसी बीच एडिन रोज ने लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं, इन फोटोज में वह बीच पर अपनी बोल्डनेस दिखाकर लोगों को दीवाना बना रही हैं. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस एडिन रोज ब्लू कलर की लाइनिंग बिकिनी पहनें नजर आ रही हैं. इसके साथ ही उन्होंने खूबसूरत नेकपीस पहना है. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं. फोटो में वह ब्राउन कलर का बैग हाथ में लिए हुए दिख रही हैं और नंगे पांव रहकर बीच पर घूम रही हैं. इस ब्लू बिकिनी में एक्ट्रेस एडिन रोज अपना क्लीवेज भी जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं. एक्ट्रेस की यह तस्वीरें आते ही छा गई हैं. इस तस्वीर में एक्ट्रेस एडिन रोज पत्थर पर बैठकर पोज देती दिख रही हैं. इस ब्लू बिकिनी को पहनकर एडिन अपने टोन्ड लेग्स भी जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं. इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि एडिन रोज समुद्र में वाटर स्कूटर

चलाते दिख रही है. फोटो में देखा जा सकता है कि एडिन रोज अपने बालों को संवार रही हैं. इस तस्वीर में एडिन रोज नाव चलाती दिख रही हैं. फोटो में देखा जा सकता है कि एडिन अकेले ही नाव चला रही हैं और उनके आसपास कोई भी मौजूद नहीं है. इस ब्लू बिकिनी में एडिन रोज अपने कंधे पर बैग टांगती नजर आ रही हैं. फोटो में वह इस लो वेस्ट शॉर्ट्स में अपना बेली बटन भी जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं.

दुलकर सलमान के जन्मदिन पर प्रशंसकों मिला तोहफा, पैन-इंडिया फिल्म आकाशमलो ओका तारा की पहली झलक आई सामने

गीता आर्ट्स, स्वप्ना सिनेमा प्रस्तुत लाइटबॉक्स मीडिया की पैन-इंडिया फिल्म आकाशमलो ओका तारा - दुलकर सलमान के जन्मदिन पर झलक का अनावरण किया गया बहुभाषी अभिनेता और भारतीय सिनेमा के प्रमुख सितारे, दुलकर सलमान, विविध और बेहद आकर्षक भूमिकाओं को स्वीकार करने के लिए जाने जाते हैं। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध, दुलकर ने तेलुगु सिनेमा में महानति, सीता रामम और लकी भास्कर में उत्कृष्ट अभिनय के साथ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अभिनेता ने अब प्रतिभाशाली निर्देशक पवन सादिनेनी के साथ हाथ मिलाया है, जो अपनी अभिनव कहानी और अद्वितीय सिनेमाई दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। इस फ़िल्म का दिलचस्प शीर्षक आकासमलो ओका तारा है और इसका निर्माण लाइटबॉक्स मीडिया के संदीप गुन्नम और राम्या गुन्नम ने किया है। गीता आर्ट्स और स्वप्ना सिनेमा जैसे प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस इस फ़िल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में बड़े नामों का समर्थन मिलने के साथ, यह फ़िल्म अपनी अलग पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दुलकर सलमान के जन्मदिन के ख़ास मौके पर, निर्माताओं ने फ़िल्म की पहली झलक पेश की, जिससे दर्शकों को एक सौम्य और दिल को छू लेने वाली झलक मिली। इस झलक में रोज़मर्रा की ज़िंदगी के शांत अंशों को दर्शाया गया है, साथ ही दुलकर की शांत और संयमित उपस्थिति भी। एक स्कूली छात्रा का दौड़ता हुआ साधारण सा अंतिम दृश्य एक अमिट छाप छोड़ता है। शानदार संगीतकार जीवी प्रकाश ने एक दिल को छू लेने वाली धुन तैयार की है जो झलक के मूड को और भी बेहतर बना देती है। हालाँकि कलाकारों और कहानी का खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन विज़ुअल टीज़र ने दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। यात्रा के शांत पलों और दुलकर की शांत मुस्कान से भरे दृश्य, बिना कुछ बताए ही बहुत कुछ कह जाते हैं। सार्थक कहानियाँ चुनने के दुलकर के निरंतर ट्रैक रिकॉर्ड और निर्देशक पवन सादिनेनी की रचनात्मक दृष्टि के साथ, आकासमलो ओका तारा एक महत्वपूर्ण और यादगार प्रोजेक्ट बन रही है। सिर्फ़र एक झलक ही भावनाओं और सूक्ष्म कथा-कथन से भरपूर एक फ़िल्म का संकेत देती है। प्रतिभाशाली सुजीत सारंग छायांकन का काम संभाल रहे हैं, जबकि श्वेता साबू सिरिल प्रोडक्शन डिज़ाइन की प्रभारी हैं। इतनी मजबूत टीम और रोमांचक कलाकारों के साथ, आकाशमलो ओका तारा तेलुगु, तमिल, हिंदी और मलयालम दर्शकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

मन्नू क्या करेगा? का पहला पोस्टर जारी, मेकर्स ने टीजर के रिलीज डेट से उठाया पर्दा

नई म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म मन्नू क्या करेगा? में नए कलाकार व्योम और साची बिंद्रा नजर आएंगे। इस फिल्म के टीजर की रिलीज डेट सामने आ गई है। मेकर्स ने फिल्म का पहला पोस्टर साझा करते हुए बताया कि इसका टीजर 30 जुलाई को जारी किया जाएगा। प्रोडक्शन हाउस क्यूरियस आई सिनेमा ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया। इस पोस्टर में व्योम और साची घास पर लेटे हुए दिख रहे हैं। साची के हाथ में ग्रीन स्फीयर नाम की एक लाल किताब है, जिससे उनका आधा चेहरा ढका हुआ है, जबकि व्योम अपने चेहरे के सामने एक फुटबॉल पकड़े हुए दिखाई दे रहे है। पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, पहली बार का अनुभव हमेशा कुछ खास होता है। पेश है रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म मन्नू क्या करेगा?, जो दिल की भावनाओं से भरी कहानी है। इसमें सुरीले गाने हैं, जो कॉलेज के प्यार की मिठास को खूबसूरती से पेश करते हैं। इसमें नए और जबरदस्त डेब्यू कलाकार व्योम और साची मुख्य भूमिका में

हैं। उनका जादू बड़े पर्दे पर देखने के लिए तैयार हो जाइए। फिल्म का टीजर 30 जुलाई को रिलीज होगा... जुड़े रहें। इस फिल्म का निर्देशन संजय त्रिपाठी ने किया है और संगीत ललित पंडित ने तैयार किया है। फिल्म के कुछ गानों के बोल मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म निर्माता शरद मेहरा ने कहा, यह फिल्म युवाओं के प्यार का जश्न है। इसमें यह दिखाया गया है कि लोग अपने प्यार में गलतियां करते हैं, लेकिन उन्हें एक दूसरा मौका भी मिलता है। यह कहानी उन कोशिशों के बारे में है जो किसी खास इंसान के लिए की जाती है। असल में जो चीज हमारे लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है, उसके लिए हम कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, व्योम और साची अपने अभिनय में सच्चाई और भावनाएं लेकर आए हैं। मन्नू क्या करेगा? एक ऐसी कहानी है जो सीधे दिल को छू जाएगी। फिल्म में अनुभवी कलाकार विनय पाठक, कुमुद मिश्रा और चारु शंकर भी अहम भूमिका में हैं।

All three terrorists involved in the Pahalgam attack were killed in Operation Mahadev

Union Home Minister Amit Shah's disclosure in Parliament

New Delhi, Union Home Minister Amit Shah addressed the House on Tuesday during the debate on Operation Sindoor that started in the Lok Sabha during the Monsoon Session of Parliament. During this, he first gave information about Operation Mahadev conducted by the Indian Army in Jammu and Kashmir on Tuesday. He said that all the three terrorists who killed innocent tourists in the Baisaran Valley of Pahalgam were killed in this operation. Out of these three, 2 were Pakistanis and there is evidence of this. Home Minister Shah said, the three terrorists who killed our 26 innocent tourists in Pahalgam's Baisaran Valley have been killed by our army during an encounter on Mahadev hill in Lidwas of Srinagar Dachigam area. He said, the terrorist Hashim Musa killed in the army action was a former para-commando of the

Special Service Group (SSG) of the Pakistani Army and was also a commander of Lashkar-e-Taiba (LET). One of the other two was also a Pakistani. Home Minister Shah said, the Pahalgam terror attack took place at 1 pm and I had landed in Srinagar at 5:30 pm. A security meeting was held on April 23 in which it was decided not to let the terrorists escape. He said, we came to know about the presence of terrorists in Dachigam. After this, 4 Para, Central Reserve Police Force (CRPF) and Jammu and Kashmir Police carried out a joint operation and killed all the three terrorists. Home Minister Shah said, officers of the Army, CRPF and Intelligence Bureau (IB) were engaged in detecting the presence of terrorists using indigenous technology. On July 22, success was achieved in this and the presence of terrorists was confirmed on Mahadev hill in Dachigam area. After this, an operation was conducted and they were eliminated. He said, Pakistani terrorists Hashim Musa, Afghan and Jibran have been killed in the operation. Those who helped them have also been identified. Home Minister Shah said, after the Pahalgam attack, we had the cartridges recovered from the spot examined at Chandigarh FSL. After this, the weapons and cartridges recovered from the terrorists killed in Operation Mahadev were also sent to Chandigarh FSL for examination. At 4 am, FSL officials told me on a video call that the weapons and cartridges recovered from the spot were the same ones that were used in the terrorist attack in Pahalgam.

The court's order on taking cognizance of ED's charge sheet will not come today

Money laundering case related to National Herald

New Delhi, Today, Rouse Avenue Court was going to give an important decision on 7 people including Rahul Gandhi, Sonia Gandhi in the National Herald case, but now the decision will not be taken on this and the next hearing in this case will be on August 7. Let us tell you that in this case, Rouse Avenue Court has to decide whether to take cognizance of the ED's charge sheet or not. If the court takes cognizance, it will issue summons to everyone. If this happens, then the problems of Rahul Gandhi and Sonia Gandhi may increase. In fact, after hearing the arguments of all the parties, the Rouse Avenue Court had reserved the decision on taking cognizance of the charge sheet in the case. In the last hearing, the ED had said that Young India was involved in money laundering and was only doing money laundering. They had no charity work. Anyone who donated to Young India was given a ticket. The ED said that some people had donated on the instructions of senior Congress leaders. They were neither aware of Young Indian nor its objectives. The National Herald case is a controversial legal case involving the National Herald newspaper and its parent company Associated Journals Limited (AJL). The case came into the limelight in 2012 when BJP leader Subramanian Swamy filed a complaint in a Delhi court against Congress leaders, particularly Sonia Gandhi and Rahul Gandhi, accusing them of illegally acquiring AJL's properties through Young Indian Private Limited. Let us tell you that the National Herald newspaper was founded in 1938 by Pandit Jawaharlal Nehru, which was published by AJL. This company used to publish National Herald in English, Navjivan in Hindi and Qaumi Awaz in Urdu. The publication of the newspaper stopped in 2008 due to financial losses. The main dispute in the National Herald case is about the transfer of AJL's assets to Young Indian and the loan given by the Congress. This case is complicated from both legal and political point of view, in which both sides are giving their own arguments.

Supreme Court said- If there is a large scale boycott in Bihar SIR, we will intervene

New Delhi, The Supreme Court on Tuesday made a special comment on the possibility of deletion of names of 65 lakh voters after the special intensive revision (SIR) of the voter list in Bihar. A bench of Justice Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi orally said that the court will intervene if there will be large-scale exclusion in the draft list. The bench has listed the petitions challenging the Bihar SIR for hearing on August 12 and August 13. Advocate Prashant Bhushan, appearing for the Association for Democratic Reforms (ADR), told the court that the Election Commission says that

65 lakh people have not submitted SIR forms, so there is a possibility of them dying or migrating. Bhushan said that such people will have to apply again to be included in the list. On this, the judge said that the Election Commission will work according to the law and the court will hear the concerns. Justice Bagchi said, if there was no SIR, the January 2025 list is the starting point. The draft list will be published by the Election Commission. Your apprehension is that 65 lakh voters will not be included in it. The Commission is seeking correction regarding the 2025 entry. We are reviewing the matter as a judicial authority. If there is a large-scale boycott, we will intervene immediately. Bring 15 people and tell them that they are alive. The Election Commission will publish the draft list for Bihar SIR on August 1, which the court was requested to stop. Hearing the case on Monday, the court refused to stop the draft list and said that this is only a draft list and if any illegality is found then the entire list will be cancelled. The court has asked the Election Commission to include Aadhar card and voter ID card in the SIR.

Rahul Gandhi will adopt 22 children orphaned by Pakistani shelling during Operation Sindoor

New Delhi, Congress leader and Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi will take responsibility for the education of 22 children who lost their loved ones in Pakistani shelling during Operation Sindoor. This information was given by Jammu and Kashmir Congress chief Tariq Hamid Karra. He said that Rahul has decided to bear the expenses of education of those 22 children of Poonch who have lost their parents or the sole breadwinner of the family in Pakistani shelling. Sources quoted Karra as saying that the first installment of assistance for the children will be released on Wednesday so that

the children can continue their studies. He said that Rahul's assistance for the children will continue till they graduate. During his visit to Poonch in May, Rahul had asked the local leaders to prepare a list of such children. The party leaders have finalized the names of the children after conducting a survey and checking government records. During the India-Pakistan tension, Poonch town of Jammu and Kashmir was the worst affected by cross-border shelling. Six children were injured in the firing on a religious school Zia ul Aloom here. One of the victims, Vihaan Bhargava, died after being hit by shrapnel. Rahul also visited Christ Public School, where 12-year-old twins Urba Fatima and Zain Ali were also casualties. He asked the children to study hard. On 22 April, Pakistani terrorists suddenly attacked 26 innocent male tourists in Pahalgam, Jammu and Kashmir, and shot them dead after asking their religion. After this, India broke diplomatic relations with Pakistan and cancelled the Indus Water Treaty. The Indian Army launched Operation Sindoor on 7 May and destroyed 9 terrorist hideouts inside Pakistan. After this, Pakistan also resorted to shelling. Pakistan offered a ceasefire on 10 May after its losses.

After Shashi Tharoor, MP Manish Tiwari is also angry with Congress, gave a message in gestures

New Delhi, In the monsoon session of Parliament, the opposition is trying to corner the government on Operation Sindoor and the Pahalgam terrorist attack, while two Congress MPs seem to be isolated from it. Congress MP from Thiruvananthapuram Shashi Tharoor and Anandpur Sahib MP Manish Tiwari have indirectly objected to not being included in the debate going on in the Lok Sabha. On Tuesday, he wrote a screenshot of a news on social media and wrote a line from a film song. The screenshot of the news shared by Tiwari on X has the headline, Spoke in favour of the government: Why did Congress keep Shashi Tharoor and Manish Tiwari out during the debate on Operation Sindoor? Sharing the screenshot with his photo, Tiwari has written the famous song from the film Purab Aur Paschim, Hai Preet Jahan Ki Reet Sada... Main Geet Wahan Ke Gaata Hoon... Bharat Ka Rahane Wala Hoon... Bharat Ki Baat Sunata Hoon... Jai Hind. Congress has kept out not only Tharoor and Tiwari but also Fatehgarh Sahib MP Amar Singh from the debate on Operation Sindoor in Parliament. He was also part of the foreign delegation. The Centre had sent 7 foreign delegations of 59 members to visit 33 countries, who presented India's stand on Operation Sindoor and Pakistan. Anand Sharma and Salman Khurshid were also part of the delegation, but they are not current MPs.

Waqf Board took action against illegal occupant, sent recovery notice of Rs 27 crore

Bhopal, Taking a major action, the Waqf Board of Madhya Pradesh has issued a recovery notice of Rs 28.18 crore to the illegal occupant of Waqf properties. This notice sent to Shahid Ali Khan, the manager of Idara Yatim Khana, is being described as the biggest recovery notice in the history of Waqf. Khan is accused of violating Waqf rules and falsely claiming the Waqf property as his own and renting it out. In Madhya Pradesh, Nawab Shahjahan Begum had donated Waqf property 138 years ago. Bhopal's institution Dar ul Shafqat Shahjahani used it for personal use. It is alleged that the accused organised Ijtima Bajra without permission for 21 years and earned illegal money of Rs 24.85 crore from 200 shops, for which there is no account. Apart from this, he rented it to Jeevanrekha Hospital for Rs 1.80 lakh for 9 years. He collected rent of crores of rupees from this.

Nimisha Priya's death sentence canceled in Yemen, Indian Grand Mufti's Office gave information

Denial of the deceased's brother Abdul Fattah Mahdi

New Delhi, It has been claimed that the death sentence of Indian nurse Nimisha Priya (38), who is imprisoned in Yemen, has been canceled. This claim was made by the office of Indian Grand Mufti Abubakar Musliyar. However, this claim turned out to be false. He said, Nimisha Priya's death sentence, which was earlier suspended, has been overturned. In a high-level meeting held in Sana'a, it was decided to completely cancel the temporarily suspended death sentence. The Mufti's office claimed that the execution was cancelled after a team of Yemeni scholars led by renowned Sufi scholar Sheikh Habib Umar bin Hafiz offered a compromise with

international diplomats. Following this, Abdul Fattah Mahdi, brother of the man killed by Nimisha, dismissed the claims as false and asked which Yemeni organisation Kanthapuram had approached. The Indian government has also not confirmed the cancellation of the execution. Nimisha hails from Palakkad district of Kerala. Her mother Prema Kumari is a domestic worker in Kochi. After studying to be a nurse, Nimisha went to Yemen in 2011 and worked in hospitals here for 5 years. In 2014, she met Yemeni citizen Talal Abdo Mehdi, after which they together opened a clinic in Sanaa in 2015. According to Yemeni law, partnership with a local person is mandatory to start a business. While working together, Mehdi started harassing Nimisha. He harassed her financially, physically and mentally and confiscated her passport. Fed up with this, Nimisha gave him an overdose of anesthesia in 2016, which led to his death. After this, she along with a partner chopped him into pieces. Nimisha has been in jail since 2017. She was to be hanged on July 16, but the Yemen court postponed the hanging for a few days.

Bus and truck collide in Deoghar, Jharkhand, 18 pilgrims die

Ranchi, About 18 devotees died in a collision between a bus and a truck in Deoghar, Jharkhand on Tuesday morning. All the Kanwariyas had come to Deoghar for Jalabhishek. The accident took place near Jamunia turn in Mohanpur police station area on Godda-Deoghar main road at around 4:30 am. About 20 people are injured in the accident. On receiving information about the accident, police and administration team have reached the spot. The injured have been sent to the hospital. Police officials said that a 32-seater bus carrying Kanwariyas collided with a truck carrying gas cylinders near Jamunia forest. The cause of the accident is said to be darkness and high speed, due to which the vehicles went out of control and collided with each other. The dead and injured have not been identified. The accident was so severe that the bus was blown to pieces. Giving information about the incident on Twitter, BJP MP Nishikant Dubey wrote, '18 devotees have died due to an accident between a bus and a truck during the Kanwar Yatra in the month of Shravan

in Deoghar, my Lok Sabha constituency. May Baba Baidyanath Ji give strength to their families to bear the loss.' At the same time, Traffic Police Deputy Superintendent Laxman Prasad said that at least 9 people have died in the accident. Baidyanathji is one of the 12 famous Jyotirlingas of the country in Deoghar, Jharkhand. Every year in the month of Saavan, Kanwariyas flock here for Jalabhishek. There is a huge crowd here during Saavan. Deoghar is called the home of the gods.

New social media rules for employees in Maharashtra, action will be taken if they break them

Mumbai, Maharashtra employees who criticize the government on social media are now in trouble. Regarding this, the Maharashtra government has made new rules for social media usage. Under this, employees will no longer be able to comment on the government regarding schemes. Disciplinary action will be taken against those who violate this. Regarding this, the General Administration Department said that this will bring confidentiality in work and they will work more effectively and responsibly than before.

The General Administration Department said that the use of social media platforms like Facebook, LinkedIn, X, YouTube, WhatsApp and Telegram has increased. Also, the increasing prevalence and convenience of instant messaging has created the danger of dissemination of confidential and misleading information. In view of this, the government has asked the employees to use social media cautiously and responsibly. The new rules will apply to officers and employees of local bodies, boards and public sector undertakings. The guidelines state that now employees will have to keep their personal and official social media accounts separate. They will be prohibited from reacting to or criticizing any government policy. Sharing confidential documents and information with anyone without the permission of senior officials has also been banned. Not only this, they are also not allowed to praise themselves on social media platforms, but can praise the schemes. According to the order, sharing, uploading and forwarding objectionable and defamatory content will also be completely banned. Also, posting, uploading and forwarding objectionable photos, using banned apps and websites have been banned. Apart from this, they have been instructed not to use government logos or property - vehicles or buildings in the videos in the reels. Disciplinary action will be taken under the Maharashtra Civil Services Rules 1979 for violating the rules. Maharashtra is not the only state to crack down on social media usage by employees. Earlier, many other states and union territories have also taken such steps. The Uttar Pradesh government also banned giving statements, writing articles or commenting on government policies on social media, newspapers, TV or radio without permission. Apart from this, Jammu and Kashmir and Chhattisgarh also issued guidelines for social media usage for employees.